दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684
वर्ष : 3 अंक : 81 पृष्ठ : 8 मुल्य: 5:00 रायपुर, रविवार 15 मार्च, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

ऑफिस में लक्ष्मी आगमन के सरल उपाय

ऑफिस में सकारात्मक ऊर्जा और आर्थिक उन्नति के लिए कुछ खास वस्तुओं का होना शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस की उत्तर दिशा में तिजोरी या कैश बॉक्स रखने से धन वृद्धि होती है। लक्ष्मी गणेश की मूर्ति या तस्वीर कार्यस्थल पर रखने से समृद्धि और सफलता मिलती है। हरा पौधा, खासकर मनी प्लांट, तरक्की और स्थायित्व का प्रतीक है। कार्य टेबल हमेशा साफ-सुथरी रखें, क्योंकि गंदगी नकारात्मक ऊर्जा लाती है। इसके अलावा क्रिस्टल बॉल या पिरामिड रखने से फैसलों में स्पष्टता और कारोबार में लाभ होता है।

कॉल करें: 9770440000
अब समय है अपने भविष्य को संवारने का!

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त जारीः छत्तीसगढ़ के 24 लाख किसानों के खातों में पहुंचे 498.83 करोड़

अन्नदाताओं के खातों में पहुंची सम्मान की राशि

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने असम की राजधानी गुवाहाटी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किश्त जारी की। इस दौरान देशभर के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में लगभग 18 हजार 640 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के 24 लाख 71 हजार किसानों के खातों में 498.83 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई।

अन्नदाताओं के खातों में पहुंची सम्मान की राशि

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री किसान निधि सम्मान योजना राशि अंतरण एवं पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन प्रदेश के किसान भाइयों और बहनों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को हर वर्ष तीन किश्तों में कुल 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जो किसानों के परिश्रम और उनके योगदान के सम्मान का प्रतीक है।

अन्नदाताओं के खातों में पहुंची सम्मान की राशि

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को अब तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 11 हजार 283 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार बनने के बाद सबसे पहले किसानों को बोनस राशि प्रदान की गई और 13 लाख किसानों के खातों में 3 हजार 716 करोड़ रुपये अंतरित किए गए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के 48 घंटे के भीतर किसानों के खातों में भुगतान सुनिश्चित किया गया। इसके साथ ही कृषक उन्नति योजना के तहत 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपये की राशि होली से पहले अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। सिंचाई के लिए कृषि पंपों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 5 हजार 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से दो वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपये की सिंचाई

परियोजना भी शुरू की गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। उन्होंने किसानों से धान के साथ-साथ अन्य फसलों की खेती की ओर भी ध्यान देने की अपील की, जिससे पानी की बचत होगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। धरसीवां विधायक श्री अनुज शर्मा ने भी किसानों को संबोधित करते हुए बधाई दी।

इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, कृषि विभाग के संचालक श्री राहुल देव, छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम के एमडी श्री अजय अग्रवाल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

SHORT NEWS

सिलेंडर की किल्लत, रेस्टोरेंट्स में 10% सरचार्ज

रायपुर। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ समेत देश के कई हिस्सों में एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी महसूस की जा रही है। गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगहों पर सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, सरगुजा और रायगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से ही गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ जुट रही है। लोग तेज धूप में घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच सर्वर ठप हो जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई बंद होने से होटलों में 10% सरचार्ज लिया जा रहा है।

रायपुर की लकड़ी फैक्ट्री में लगी भीषण आग

रायपुर। रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार देर रात लकड़ी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि फैक्ट्री में रखा एक ट्रैक्टर और कीमती मशीनें जलकर राख हो गईं। दमकल कर्मियों ने समय रहते फैक्ट्री के अंदर फंसे दो कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

उरला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भीम सरिया मिनरल प्राइवेट लिमिटेड की लकड़ी फैक्ट्री में आधी रात को अचानक आग भड़की। सूखी लकड़ियों की मौजूदगी के कारण लपटों ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में उठते धुएं और आग के गोले देखकर आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

22 हजार करोड़ से बदलेगी शिक्षा की तस्वीर : स्कूल शिक्षा मंत्री

बजट में बड़े फैसले स्कूल शिक्षा को मिलेगी नई रफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 22 हजार 466 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। विधानसभा में बजट भाषण के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यह बजट राज्य में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने शिक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया है। मंत्री यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से राज्य के हर बच्चे को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इसी लक्ष्य के तहत केंद्र सरकार की पीएम श्री योजना के अंतर्गत स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इस योजना के लिए बजट में 250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन स्कूलों में ग्रीन स्कूल, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, आधुनिक प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं और कैरियर काउंसिलिंग जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही शिक्षकों को उच्च शिक्षण संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा और विद्यार्थियों की प्रगति का आंकलन होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड के माध्यम से किया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार 150 स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालय स्थापित करेगी। इन विद्यालयों के लिए बजट में 100

बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोक भवन में ली पद की शपथ

पटना। बिहार के नए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने शनिवार को लोक भवन में राज्यपाल पद की शपथ ली। बिहार के लोक भवन में आयोजित एक सादे समारोह में पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। 12 मार्च को ही नए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन पटना पहुंचे थे।

शनिवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई गणमान्य लोग और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन जब पटना पहुंचे तो एयरपोर्ट पर नए राज्यपाल को राज्य सरकार की ओर से 'गार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। सैयद अता हसनैन भारतीय सेना में अपनी उत्कृष्ट सेवाओं और रणनीतिक नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं। सेना में लंबे अनुभव के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। सुरक्षा से जुड़े मामलों में उनकी विशेषज्ञता मानी जाती है। वे करीब 40 साल तक भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं। अपने सैन्य करियर के दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। उनके नेतृत्व में सेना में कई सामाजिक पहल शुरू की गईं।

जहां बंद होता है कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला, वहां से शुरू होता है हमारा काम : मोदी

सिलचर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने शिलांग-सिलचर कॉरिडोर के भूमि पूजन के बाद कहा कि कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला जहां बंद होता है, वहां से हमारा काम शुरू होता है। असम के सिलचर में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी के अनेक दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने नॉर्थ-ईस्ट को दिल्ली से और दिल से, दोनों से ही दूर रखा। कांग्रेस ने नॉर्थ-ईस्ट को एक तरह से भुला दिया था। लेकिन भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने नॉर्थ-ईस्ट को ऐसे कनेक्ट किया है कि आज हर तरफ इसकी चर्चा है। आज नॉर्थ-ईस्ट भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का केंद्र है। दक्षिण पूर्व एशिया के साथ भारत को जोड़ने वाला सेतु बन रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा, जैसे कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को अपने हाल पर छोड़ दिया था, ठीक वैसे ही बराक वैली को बेहाल करने में कांग्रेस की बहुत बड़ी भूमिका रही है। जब देश आजाद हुआ तो कांग्रेस ने ऐसी बाउंड्री खींचने दी, जिसने बराक घाटी का समुद्र से संपर्क कट गया। जो बराक वैली कभी ट्रेड रूट और एक औद्योगिक केंद्र के रूप में जानी जाती थी, उस बराक वैली से उसकी ताकत ही छीन ली गई। आजादी के बाद भी दशकों तक कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन बराक घाटी के विकास के लिए कुछ खास नहीं हुआ। उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए 24,000 करोड़ रुपए की लागत वाले शिलांग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया गया है।

चैत्र नवरात्रि मेलाः डोंगरगढ़ के लिए ट्रेनों में विशेष व्यवस्था

रायपुर। चैत्र नवरात्रि के दौरान माँ बम्लेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ़ में लगने वाले मेले को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष रेल व्यवस्थाएँ की हैं। 19 मार्च से 27 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले इस मेले में दर्शनार्थियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए कुछ ट्रेनों का अस्थायी ठहराव, कुछ गाड़ियों का विस्तार और एक मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु डोंगरगढ़ पहुंचते हैं। इसे देखते हुए यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा देने के लिए यह विशेष व्यवस्था की गई है। जानकारी के मुताबिक, गाड़ी संख्या 68742/68741 गोंदिया-दुर्ग-गोंदिया मेमू पैसेंजर को अस्थायी रूप से रायपुर तक विस्तारित किया जा रहा है। वहीं 68729/68730 रायपुर-डोंगरगढ़-रायपुर मेमू पैसेंजर का विस्तार गोंदिया तक किया गया है। इसके अलावा 06886/06885 डोंगरगढ़-दुर्ग-डोंगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी।

विधानसभा में उच्च शिक्षा विभाग की 1306 करोड़ की अनुदान मांगें पारित

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में शुक्रवार को उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के उच्च शिक्षा विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 1306 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान मांगें पारित कर दी गईं। अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक विकास की आधारशिला है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराना है। मंत्री वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत कुल 37 योजनाएं संचालित की जा रही हैं। यह बजट प्रावधान प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता सुधार और अधोसंरचना विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मंत्री ने बताया कि वंचित क्षेत्रों के लिए वित्तीय संसाधनों में भी वृद्धि की गई है। वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों के लिए 230.36 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे बढ़ाकर 2026-27 में 249.61 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसी प्रकार अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों के लिए 103.10 करोड़ रुपये के प्रावधान को बढ़ाकर 120.23 करोड़ रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के तहत सरकार ने ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) को विकास का प्रमुख स्तंभ बनाया है।

हाईकोर्ट ने नशीली कफ सिरप तस्करी मामले में 4 आरोपियों सजा रखी बरकरार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने नशीली कफ सिरप रखने और तस्करी के मामले में सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई गई सजा को बरकरार रखा है। रमेश सिन्हा और रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने आरोपियों की अपील खारिज करते हुए कहा कि कार्रवाई में कोई त्रुटि नहीं पाई गई।

कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 केवल किसी व्यक्ति की निजी तलाशी पर लागू होती है, जबकि वाहन, बैग, कंटेनर या परिसर की तलाशी पर यह प्रावधान लागू नहीं होता। इसलिए आरोपियों की ओर से धारा 50 के

पालन नहीं होने की दलील स्वीकार नहीं की जा सकती। मामले के अनुसार 13 सितंबर 2023 को तोरवा थाने में पदस्थ एसआई भरत लाल राठौर को सूचना मिली थी कि एक महिला तीन लोगों के साथ हेमूनगर स्थित शोभा विहार इलाके में गैरकानूनी तरीके से नशीली कफ सिरप बेचने के लिए ले जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्नेहा गोयल, पुष्पेंद्र निर्मलकर, अमर जांगड़े और देवा रजक को हिरासत में लिया। जांच के दौरान स्नेहा गोयल के पास से एक प्लास्टिक बोरे में रखी कफ सिरप की 100 बोतलें (प्रत्येक 100 एमएल) बरामद हुईं। कुल मिलाकर आरोपियों के कब्जे से 145 बोतल नशीली कफ सिरप जब्त की गई।

मार्च के दूसरे हफ्ते में ही 39 डिग्री पारा, रात में 20 के करीब

बिलासपुर। बिलासपुर में मार्च के दूसरे सप्ताह में ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान एक डिग्री बढ़कर 39 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं रात का पारा भी 20 डिग्री के करीब बना हुआ है, जिससे लोगों को रात में भी गर्मी महसूस होने लगी है। शहर में तापमान लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार को बढ़कर 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री ज्यादा है। अधिकतम तापमान भी सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक रिकॉर्ड हुआ। लगातार दूसरे दिन रात का तापमान 20 डिग्री के करीब रहने से रात में भी गर्मी का असर महसूस हो रहा है। मार्च के दूसरे सप्ताह में ही पारा 39 डिग्री तक पहुंचने से दिन में तेज गर्मी लगने लगी है। इस बीच प्रदेश में राजनांदगांव सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग के अनुसार मध्य क्षोभ मंडल में लगभग 5.8 किलोमीटर ऊंचाई पर 74 डिग्री पूर्व और 34 डिग्री उत्तर अक्षांश पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। वहीं झारखंड से विदर्भ तक छत्तीसगढ़ होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक एक द्रोणिका विस्तारित है। 14 मार्च से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके असर से दक्षिण बस्तर में 14 मार्च को एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है, जबकि प्रदेश के बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। इस बार मार्च में पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा गर्मी पड़ रही है। 2020, 2023 और 2024 में अधिकतम तापमान 39 डिग्री तक भी नहीं पहुंचा था। 2020 में अधिकतम तापमान 37 डिग्री, 2023 में 37.4 और 2024 में 38.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था।

राजनांदगांव में 2 हजार सीटर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनेगा, 226 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

राजनांदगांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से नगर पालिक निगम राजनांदगांव के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 226 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने राजनांदगांववासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह भूमिपूजन केवल विकास कार्यों की शुरुआत नहीं, बल्कि शहर के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ प्रदेश के संतुलित और समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में

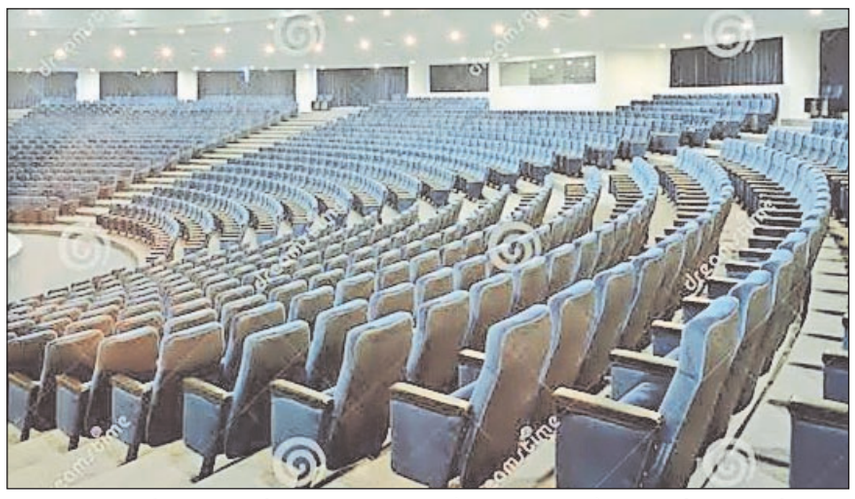

राजनांदगांव की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शहर की बढ़ती आबादी के अनुरूप नागरिक सुविधाओं का विस्तार करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इन परियोजनाओं के माध्यम से शहर के हर वार्ड तक विकास की किरण पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अमृत मिशन 2.0 के तहत शहर में घरेलू अपशिष्ट जल के वैज्ञानिक उपचार के लिए दो नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इससे गंदे पानी को सीधे नदियों और नालों में जाने से रोका जा सकेगा और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य की भी रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नगरोउत्थान योजना के अंतर्गत सड़कों का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, जिससे यातायात अधिक सुगम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में 2 हजार सीटर का विशाल अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाया जाएगा, जो संस्कारधानी की कला, साहित्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया मंच प्रदान करेगा। इससे स्थानीय कलाकारों, साहित्यकारों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के व्यापक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह ऑडिटोरियम शहर की एक नई पहचान बनेगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर के उन्नयन, नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार तथा शहर के 51 वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष बजट प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कचरा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए नए संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि राजनांदगांव केवल स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लेने वाला शहर न रहे, बल्कि देश के अग्रणी स्वच्छ शहरों में अपनी पहचान बनाए। उन्होंने कहा कि संसाधनों का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से विकास कार्यों की गति तेज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मार्गदर्शन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से राजनांदगांव तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनके विजन और जनसहभागिता से शहर को छत्तीसगढ़ की एक मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने जिले के विकास से संबंधित लंबित अधोसंरचना प्रस्तावों को भी शीघ्र स्वीकृत करने का आश्वासन दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राजनांदगांव उनके दिल के बेहद करीब है और आज का दिन शहर के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि संकल्प बजट 2026-27 में राजनांदगांव जिले के समग्र विकास के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

शिवाजी वार्ड में नाली व अन्य निर्माण का किया भूमिपूजन

डोंगरगढ़। नगर पालिका के वार्ड नं 23 में वार्डवासियों की मांग की स्वीकृति के बाद भूमिपूजन किया गया। सर्वप्रथम पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने डिपरापारा स्थित 12 ज्योतिर्लिंग भगवान की पूजा अर्चना कर वार्डवासियों के साथ विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। बताया कि वार्ड पार्षद सुमित ताम्रकार, पूर्व पार्षद शालिनी ताम्रकार के प्रयासों से कार्य की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसमें प्रमुख कार्य डबरी के चारों ओर नाली निर्माण, गज्जी लोहार के घर के सामने रोड निर्माण, स्व भुवन यादव के घर से नाला तक रोड निर्माण कार्य, डबरी में सामुदायिक भवन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है। डबरी सौंदर्यीकरण के दिशा में प्रयास डबरी को आकर्षक बनाना, मॉर्निंग वॉक, लाइटिंग तथ्यों को जोड़ना, धार्मिक व सामाजिक आयोजनों के साथ मनोरंजन के लिए अच्छा स्थान तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

एक एकड़ खेत में धनेश्वरी कर रही हैं खीरे की खेती, अब खुद के साथ दूसरों को भी दे रहीं रोजगार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आ रहा है। सरगुजा जिले की धनेश्वरी साहू जो न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं, बल्कि अब अन्य ग्रामीणों के लिए 'रोजगार प्रदाता' की भूमिका भी निभा रही हैं।

संघर्ष से स्वावलंबन तक का सफर

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत गुमगराकलां की रहनी धनेश्वरी साहू बताती हैं कि 'जय संतोषी मां स्वयं सहायता समूह' से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण थी। जीवनयापन के सीमित संसाधनों के

कारण परिवार का भविष्य अनिश्चित था। लेकिन समूह से जुड़ने के बाद उनकी किस्मत बदल गई। बिहान योजना के माध्यम से अलग-अलग गतिविधियों से आजिविका सुदृढ़ किया। आज उन्होंने समूह से 1 लाख रुपये का ऋण लेकर एक नई शुरुआत के रूप में इस्तेमाल किया। धनेश्वरी साहू ने प्राप्त ऋण राशि से एक एकड़ भूमि पर आधुनिक पद्धति से खीरे की खेती शुरू की। खेती में लगभग 1 लाख रुपये की लागत लगाई गई। मेहनत और लगन का परिणाम यह रहा कि अब फसल की अच्छी पैदावार होने लगी है। वर्तमान में वे अपने खेत में उत्पादित खीरे को अम्बिकापुर की मंडी में विक्रय कर रही हैं, जहां उन्हें लगभग 25 रुपये प्रति किलो की दर से बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त हो रहा है। धनेश्वरी साहू बताती हैं कि पहले आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी, लेकिन स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनकी पहचान बदल गई है। आज वे आत्मविश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ी हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

दूसरों के लिए भी बन रही हैं सहारा

धनेश्वरी की सफलता केवल अपनी आय तक सीमित नहीं है। आज वे अपने खेत में 2 से 4 स्थानीय मजदूरों को रोजगार भी उपलब्ध करा रही हैं। उनके पति संतोष साहू भी इस कार्य में उनका पूरा सहयोग करते हैं। एक समय जो परिवार स्वयं संघर्ष कर रहा था, वही आज अन्य ग्रामीणों के लिए रोजगार का माध्यम बन रहा है। धनेश्वरी साहू ने अपनी इस आर्थिक उन्नति और सामाजिक पहचान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की बिहान योजना के माध्यम से आज लाखों ग्रामीण महिलाओं को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

श्री आत्मानंद स्कूल और सड़क निर्माण के कार्यों का कलेक्टर ने लिया जायजा

सारंगढ़। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने पीएम श्री आत्मानंद गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, सारंगढ़ के नवीन भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने परिसर के पास स्थित जर्जर भवन को हटाने और आसपास की झाड़ियों की सफाई कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पुराने भवन की मरम्मत कर उसे लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने के लिए नोडल अधिकारी नरेश चौहान को जल्द कार्य शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि छात्रों के अध्ययन के लिए लाइब्रेरी की व्यवस्था जरूरी है और इसे प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। इसके बाद कलेक्टर ने ग्राम टाटा बिलासपुर में निर्माणाधीन लगभग एक किलोमीटर लंबी सीसी रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही सरसीवा-सराईपाली मार्ग पर बन रही करीब 16 किलोमीटर लंबी डामरीकरण सड़क का भी जायजा लिया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि सड़क के किनारे नाली निर्माण का कार्य भी चल रहा है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं।

एयरपोर्ट के पीछे व कॉलोनी के ठीक सामने सड़क पर कचरा फेंक रहे लोग

जगदलपुर। एक ओर शहर में लगातार सफाई अभियान को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। एयरपोर्ट के

पीछे देवकी होम्स कॉलोनी के सामने खुले में पड़ा कचरे का ढेर निगम की सफाई व्यवस्था की पोल खोल रहा है। कॉलोनीवासियों के अनुसार, करीब 150 परिवारों को कचरे की गाड़ी कॉलोनी तक न पहुंचने की वजह से मजबूरन अपने घरों का कचरा कॉलोनी के बाहर डालना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर कई बार नगर निगम में आवेदन भी दिया गया, लेकिन इसके बावजूद कचरा संग्रहण वाहन यहां नहीं पहुंच रहा है। इससे क्षेत्र में गंदगी के साथ बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम से तत्काल नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि कॉलोनी को गंदगी और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से राहत मिल सके।

समाज कल्याण विभाग बना दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों का संबल

रायपुर। प्रदेश में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को सुगम और सम्मानजनक बनाने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में सहायक उपकरण प्रदाय योजना के तहत मोहला जिले के ग्राम सोमटोला निवासी 80 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक एवं मांझी समाज प्रमुख महाजन अठभैया को श्रवण यंत्र और वॉकिंग स्टिक प्रदान की गई।

जिला मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह और कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने उन्हें सहायक उपकरण प्रदान किए। श्रवण यंत्र और वॉकिंग स्टिक प्राप्त कर श्री महाजन अठभैया ने प्रसन्नता व्यक्त करते

हुए शासन और प्रशासन के प्रति आभार जताया। शासन की योजनाओं का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहायता और सुविधाएं पहुंचाना है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस प्रकार की योजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जो उनके जीवन को अधिक सरल और सम्मानजनक बनाती हैं।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सहायक उपकरण प्रदाय योजना के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश में अब तक 1 हजार से अधिक दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग प्रदान कर लाभान्वित किया गया है। इनमें श्रवण यंत्र, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, व्हीलचेयर और वॉकिंग स्टिक सहित अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। राज्य शासन का लक्ष्य है कि प्रदेश के सभी पात्र दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे, ताकि वे अपने दैनिक जीवन को अधिक सहजता और आत्मसम्मान के साथ जी सकें। इसके लिए प्रशासन द्वारा लगातार शिविरों और कार्यक्रमों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। यह पहल जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई उम्मीद और संबल का संचार कर रही है।

बस्तर में बनाएंगे नए वन धन केंद्र 300 से ज्यादा ग्रामीणों को रोजगार

जगदलपुर। बस्तर के जनजातीय क्षेत्रों में आर्थिक स्वावलंबन और स्थानीय कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संसदीय संकुल विकास परियोजना के तहत एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसी कड़ी में जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित, जगदलपुर में एक बैठक आयोजित कर परियोजना की रूपरेखा और क्रियान्वयन की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस योजना के माध्यम से वनांचल के लोगों को उनके ही गांव या क्लस्टर में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। बैठक में बताया गया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत बस्तर संसदीय क्षेत्र में नए वनधन विकास केंद्रों की स्थापना को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके लिए कोलेंग, कोलावल, जैबेल (गौराबहार), तिरिया और नेतानार जैसे क्लस्टर क्षेत्रों का चयन किया गया है। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय जनजातीय समुदाय को वनोपज आधारित आजीविका से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की योजना बनाई गई है।बैठक में जिला वनोपज सहकारी यूनियन के उप प्रबंध संचालक, बस्तर सांसद के प्रतिनिधि, जिला यूनियन के सभी प्राथमिक समिति प्रबंधक, सीनियर एक्जीक्यूटिव और कार्यालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने इस योजना को बस्तर के जनजातीय क्षेत्रों के विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

34 लाख रुपए से वार्ड 11 में नाली, सड़क व शेड बनेंगे

रायगढ़ । रायगढ़ शहर के वार्ड क्रमांक 11 में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से लगभग 34 लाख 75 हजार रुपए की लागत से नाली, सड़क और शेड निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इन विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर जीवर्धन चौहान, नगर निगम सभापति डिग्री लाल साहू, स्थानीय पार्षद और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। भूमिपूजन के साथ ही क्षेत्र में लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर जीवर्धन चौहान ने

कहा कि नगर निगम का मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि वार्ड 11 में नाली, सड़क और शेड निर्माण के लिए लगभग 34 लाख 75 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई है। इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र के निवासियों को कई समस्याओं से राहत मिलेगी और इलाके का विकास भी तेजी से होगा।

महापौर ने बताया कि इन विकास कार्यों की स्वीकृति रायगढ़ विधायक और प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और जनप्रतिनिधियों का प्रयास है कि शहर के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य किए जाएं, ताकि हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि नगर निगम लगातार नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए कार्य कर रहा है। वार्ड 11 में नाली निर्माण से जल निकासी की व्यवस्था बेहतर होगी, जिससे बरसात के मौसम में पानी भरने की समस्या काफी हद तक कम हो सकेगी। कई क्षेत्रों में लंबे समय से जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। नई नालियां बनने से गंदे पानी की निकासी व्यवस्थित रूप से हो सकेगी और आसपास का वातावरण भी स्वच्छ रहेगा।

इसके अलावा वार्ड में सड़क निर्माण का कार्य भी किया जाएगा, जिससे आवागमन में आसानी होगी। अच्छी सड़कें बनने से स्थानीय निवासियों को दैनिक जीवन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र का समग्र विकास भी संभव हो सकेगा। सड़क निर्माण के साथ-साथ शेड निर्माण का कार्य भी किया जाएगा, जिससे लोगों को सार्वजनिक उपयोग के लिए एक सुविधाजनक स्थान उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के सभापति डिग्री लाल साहू ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

सिंगीबहार-कछुआ कानी सड़क पर जर्जर पुल की मरम्मत शुरू

जशपुरनगर। जिले के सिंगीबहार से

कछुआ कानी मुख्य मार्ग पर स्थित जर्जर पुल के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। लंबे समय से पुल की खराब स्थिति के कारण राहगीरों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा था। अब मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया के निर्देश पर संबंधित विभाग ने कार्रवाई करते हुए पुल निर्माण का काम शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार सिंगीबहार-कछुआ कानी मार्ग क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जो छत्तीसगढ़ को पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओडिशा से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है। पुल जर्जर होने के कारण इस रास्ते से गुजरने वाले ग्रामीणों, मजदूरों और अन्य यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मामले की जानकारी मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय तक पहुंचने के बाद अधिकारियों को तत्काल पुल निर्माण के निर्देश दिए गए। निर्देश मिलते ही विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों और राहगीरों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए उम्मीद जताई कि पुल बनने से सुरक्षित आवागमन के साथ क्षेत्र के विकास और व्यापार को भी गति मिलेगी।

नगरीय क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति में नहीं होनी चाहिए लापरवाही, सभी निकाय रखें पूरी तैयारी : कलेक्टर

कोरबा । कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने विभागीय योजनाओं के तहत संचालित कार्यो के क्रियान्वयन स्थिति, डीएमएफ के स्वीकृत कार्यो तथा महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष के लिए निकायों में प्रस्तावित विकास कार्यों पर भी चर्चा की। इस दौरान निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, अपर आयुक्त विनय मिश्रा सभी नगरीय निकायों के सीएमओ सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में नगरीय निकायों में पेयजल आपूर्ति, स्वच्छ भारत मिशन, मोर मकान मोर चिन्हारी, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), राजस्व वसूली, सामाजिक पेंशन के ई-केवाईसी सहित डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्यों तथा अधोसंरचना मद के लंबित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने डीएमएफ के अंतर्गत नगरीय निकायों में वर्ष 2016-17 से अब तक स्वीकृत, पूर्ण और प्रगतिरत निर्माण कार्यों की क्रमवार जानकारी ली। उन्होंने निकायों में पूर्ण हो चुके कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र शीघ्र प्रस्तुत करने के लिए कहा। साथ ही प्रगतिरत निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराने तथा अप्रारंभ कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करने के

निर्देश दिए। उन्होंने सभी निकायों में स्वीकृत नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण कार्य को शीघ्रता से पूरा करने को कहा। स्कूल-कॉलेज में स्वीकृत

सायकल स्टैंड, विभिन्न शेड, डोम तथा बालक-बालिका शौचालय निर्माण, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत ब्लड बैंक, रेडक्रॉस सोसायटी जैसे आवश्यक सुविधाओं के कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराने हेतु निर्देशित दिए। उन्होंने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी शहरी क्षेत्रों में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सभी सीएमओ को निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि कहीं भी पानी की समस्या नहीं आनी चाहिए। विशेष रूप से स्लम एरिया एवं खदान प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बरतने की बात कही। आवश्यक स्थानों में टैंकर से पानी सप्लाई कराने के लिए कहा। उन्होंने सभी सीएमओ को समय रहते अपने क्षेत्र के जलस्रोतों बोर का परीक्षण, टैंकर की उपलब्धता, मोटर की स्तिथि की जांच पूर्ण करने एवं सबमर्सिबल पंप का अतिरिक्त बैकअप तैयार रखने एवं आवश्यक स्थानों पर बोर कराने के निर्देश दिए। बैठक में शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण बढ़ाने, नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा शौचालय निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के कार्यों में प्रगति लाने तथा मोर मकान मोर चिन्हारी के तहत पूर्ण हो चुके मकानों को पात्र हितग्राहियों को शीघ्र आबंटित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों को राजस्व वसूली बढ़ाने, निर्धारित लक्ष्य के अनुसार संपत्ति कर की वसूली करने तथा सामाजिक पेंशन योजना के छूटे हुए हितग्राहियों का ई-केवाईसी जल्द पूरा कराने के लिए भी निर्देशित किया।

मिलेट बार से कुपोषण पर प्रहार, बच्चों के बेहतर पोषण की ओर बढ़ता कदम

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण के उन्मूलन के लिए महासमुंद जिले में प्रभावी पहल की जा रही है। आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से 6 माह से 6 वर्ष तक के लक्षित 14 हजार 172 कुपोषित बच्चों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार के रूप में मिलेट बार प्रदान किया जा रहा है। यह पहल बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने और उनके समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री टिक्वेन्द्र जटवार ने बताया कि कुपोषित बच्चों के सही विकास और कुपोषण की रोकथाम के लिए उच्च प्रोटीन युक्त आहार बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से लक्षित बच्चों को आंगनवाड़ी केन्द्रों में सप्ताह में छह दिन सोमवार से शनिवार तक, माह में कुल 26 दिवस प्रति हितग्राही प्रतिदिन 20 ग्राम मिलेट बार दिया जा रहा है।मिलेट बार फाइबर, प्रोटीन, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो बच्चों के पोषण स्तर को सुधारने में सहायक है। यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ उनके समुचित विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे के 6 माह पूर्ण होने के बाद यदि उसे पर्याप्त ऊपरी आहार नहीं मिलता, तो उसके पोषण और विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए शुरुआती अवस्था में संतुलित और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर तरीके से हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित पूरक पोषण आहार कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान में आंगनवाड़ी केन्द्रों में 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को पौष्टिक गर्म भोजन भी प्रदान किया जा रहा है।

खम्हार पाकुट जलाशय में बढ़ेगा पर्यटन आकर्षण

रायगढ़। लैलूंगा विकासखंड के पहाड़ लुड़ेग स्थित केलो नदी के उद्गम स्थल और जाम बहार पंचायत के खम्हार पाकुट जलाशय को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावना पर काम शुरू हो सकता है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने गुरुवार को दोनों स्थानों का निरीक्षण कर वहां की स्थिति देखी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर पहाड़ लुड़ेग पहुंचे और केलो नदी के उद्गम स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर नदी के इतिहास और उद्गम से जुड़ी जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि यह स्थल प्राकृतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। इसे सुरक्षित रखते हुए पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इसके बाद कलेक्टर ग्राम पंचायत जाम बहार स्थित खम्हार पाकुट जलाशय पहुंचे। उन्होंने जल संसाधन संभाग धरमजयगढ़ के अधिकारियों से जलाशय और निर्माण कार्यों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान खम्हार पाकुट जलाशय में आदिवासी मत्स्य समिति लैलूंगा द्वारा किए जा रहे मछली पालन कार्य की उन्होंने सराहना की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से कहा कि गांव के विकास और केलो नदी के उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए वे अपने सुझाव दें। ग्रामीणों से 15 दिनों के भीतर प्रस्ताव देने को कहा गया है, ताकि उन्हें योजनाओं में शामिल किया जा सके। कलेक्टर ने खम्हार पाकुट जलाशय के आसपास के क्षेत्र का सौंदर्यीकरण कर इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावना जताई। इसके लिए विस्तृत योजना तैयार करने और आर्किटेक्ट से ब्लूप्रिंट बनवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

संघर्ष से सफलता तक का सफर , पांचो जयते बनी सफल महिला उद्यमी

रायपुर। आज ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं, बल्कि समाज में अपनी अलग पहचान भी बना रही हैं। ऐसी ही कहानी है मोहला मानपुर अम्बागढ़ जिले की पांचो जयते की, जिन्होंने संघर्ष भरे जीवन से आगे बढ़ते हुए मेहनत, साहस और बिहान मिशन के सहयोग से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार किया और आज गाँव में एक सफल महिला उद्यमी के रूप में पहचानी जाती हैं। पांचो जयते, पूजा ग्राम संगठन के अंतर्गत गायत्री स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने 15 अगस्त 2015 को स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन में बदलाव की शुरुआत की। समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वे और उनके पति गाँव में दूसरों के यहाँ मजदूरी करते थे, लेकिन मजदूरी से होने वाली आय से घर की जरूरतें पूरी करना भी कठिन हो जाता था। बच्चों की पढ़ाई और परिवार के बेहतर भविष्य की चिंता उन्हें हमेशा बनी रहती थी। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बिहान मिशन के माध्यम से आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की प्रेरणा मिली। उनके पति को होटल व्यवसाय के बारे में जानकारी थी, इसलिए उन्होंने परिवार की आय बढ़ाने के लिए होटल व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। इसके लिए संकुल और ग्राम संगठन के माध्यम से उन्हें 1 लाख 76 हजार रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। इस ऋण राशि से उन्होंने होटल के लिए आवश्यक सामग्री खरीदी और वर्ष 2018 में होटल आजीविका गतिविधि की शुरुआत की। शुरुआत में वे गांव और आसपास के बाजारों में जाकर होटल की दुकान लगाने लगे। धीरे-धीरे लोगों को उनके बनाए भोजन की गुणवत्ता और स्वाद पसंद आने लगा और बाजार में उनकी दुकान की पहचान बनने लगी। ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए उन्होंने अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। अब वे सप्ताह में चार अलग-अलग बाजारों में अपनी होटल की दुकान लगाते हैं। ग्राहकों की जरूरत के अनुसार उन्होंने अपने भोजन की गुणवत्ता और मात्रा में भी सुधार किया, जिससे उनकी आय में लगातार वृद्धि होने लगी। इस आय से अब वे अपने परिवार की जरूरतों को अच्छे से पूरा कर पा रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई में भी सहायता मिल रही है। इससे उनके आत्मविश्वास में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। होटल व्यवसाय के साथ-साथ उन्होंने आय के एक और स्रोत के रूप में मुर्गी पालन शुरू किया। शुरुआत में उन्होंने 10 सोनाली मुर्गियों से मुर्गी पालन की शुरुआत की।

अब महुआ नहीं बीनेगी, बल्कि स्कूल जाकर पढ़ाई-लिखाई करेगी मंगली

सुकमा। सुकमा जिले के दोरनापाल क्षेत्र में एक संवेदनशील पहल देखने को मिली, जब कलेक्टर अमित कुमार ने सड़क किनारे महुआ चुन रही एक छोटी बच्ची को स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। गुरुवार को कलेक्टर अमित कुमार और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर मारोकी, मानकापाल, परिया और कुचारास गांवों के दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान रास्ते में उन्होंने कुछ बच्चों को खेतों और सड़क किनारे महुआ चुनते हुए देखा। कलेक्टर का काफिला जैसे ही वहां से गुजर रहा था, उन्होंने बच्चों को काम करते हुए देखकर तुरंत गाड़ी रुकवाने के निर्देश दिए। इसके बाद वे खुद खेतों के बीच बच्चों के पास पहुंचे और उनसे बातचीत की। इस दौरान उनकी मुलाकात मड़कामी मंगली नाम की एक छोटी बच्ची से हुई, जो अन्य बच्चों के साथ महुआ चुन रही थी। बातचीत के दौरान कलेक्टर ने मंगली से पूछा कि वह स्कूल क्यों नहीं जाती। इस पर बच्ची ने बताया कि घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और अभाव के कारण वह स्कूल नहीं जा पाई। यह सुनकर कलेक्टर ने उसे समझाया कि पढ़ाई बहुत जरूरी है और शिक्षा ही भविष्य को बेहतर बना सकती है। उन्होंने मंगली को भरोसा दिलाया कि प्रशासन उसकी पढ़ाई में हर संभव मदद करेगा। कलेक्टर ने वहां मौजूद अन्य बच्चों से भी बात की और उन्हें स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को समझाया कि महुआ बीनने से ज्यादा जरूरी पढ़ाई करना है, क्योंकि शिक्षा से ही जीवन में आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि संसाधनों और जागरूकता की कमी के कारण कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से दूर नहीं रहना चाहिए। मंगली से बातचीत के बाद कलेक्टर उसके घर भी पहुंचे। वहां उन्होंने उसके परिवार के सदस्यों से चर्चा की और उन्हें बच्ची को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने परिवार को बताया कि सरकार द्वारा बच्चों की पढ़ाई के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

408 एकड़ में सफेद गुलाबी फूलों से लदे 20 हजार सेब पेड़

जशपुरनगर। जशपुर जिला अपनी ठंडी आबोहवा के कारण अब छत्तीसगढ़ के शिमला के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है। साल 2025 के मानसून सीजन में हुई बेहतरीन बारिश और उसके बाद पड़ी कड़ाके की ठंड ने जिले के किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। अनुकूल मौसम के चलते मनोरा ब्लॉक के पहाड़ी इलाकों में लगे सेब के बाग इस समय सफेद फूलों से लदे हुए हैं, जो इस साल सेब के बंपर उत्पादन का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं।

जशपुर जिले में सेब की खेती का प्रयोग अब एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुका है। वर्तमान में जिले की 408 एकड़ जमीन पर सेब के बाग तैयार हो चुके हैं। नाबार्ड और उद्यानिकी विभाग के सहयोग से संचालित 'वाड़ी विकास परियोजना' के तहत 408 आदिवासी किसानों ने इस नए प्रयोग को अपनाया है।

परियोजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध तरीके से किया गया है। पहले चरण में ग्राम करदना, छतौरी और शैला में 100 एकड़ से शुरुआत हुई। द्वितीय चरण में धसमा, शैला और घाघरा ग्रामों में विस्तार हुआ।

वहीं, तीसरे और चौथे चरण के पूरा होने के बाद अब कुल 408 एकड़ में सेब के लगभग 20000 पौधे लहलहा रहे हैं। किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार और प्रशासन भी मदद कर रही है। नाबार्ड और उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को मुफ्त पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही खाद और सिंचाई उपकरणों पर सब्सिडी दी जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्रों पर इच्छुक किसानों को उन्नत खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पूसा के कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालय जैव संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से किसानों को 2019 से ही लगातार तकनीकी सहायता दी जा रही है। एक एकड़ में 30 सेब के साथ 50 नाशपाती के पौधे लगाए विशेषज्ञों के अनुसार, जशपुर की पथरीली, दोमट और लाल मिट्टी सेब की खेती के लिए उपयुक्त पाई गई है। यहां मुख्य रूप से अन्ना और हरमन-99 किस्म के सेब उगाए जा रहे हैं। सेब का स्वाद, रंग और आकार बिल्कुल हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के सेबों जैसा ही है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, सेब की खेती के लिए नवंबर से फरवरी तक का समय सबसे उपयुक्त होता है। मनोरा ब्लॉक में प्रत्येक किसान ने एक एकड़ के रकबे में 30 सेब के पौधों के साथ-साथ 50 नाशपाती के पौधे भी लगाए हैं।

प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में भू-जल संरक्षण कार्यों का किया अध्ययन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल एवं मृदा संरक्षण के क्षेत्र में वन विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य अब राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बनते जा रहे हैं। इन्हीं कार्यों के अध्ययन के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून से भारतीय वन सेवा (ड्डस्न्नस्) वर्ष 2025-26 बैच के 133 प्रशिक्षु अधिकारी अध्ययन दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। यह दल 8 से 15 मार्च तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर वन विभाग द्वारा किए गए भू-जल संरक्षण और जल संवर्धन कार्यों का अध्ययन कर रहे हैं। प्रशिक्षण के पहले चरण में 9 मार्च को दक्षिण सिंगपुर परिक्षेत्र के पम्पार नाला का भ्रमण कराया गया। यहां अधिकारियों को बताया गया कि किस प्रकार तकनीकी उपायों के माध्यम से मिट्टी के कटाव को रोका गया और जल स्तर बढ़ाने में सफलता मिली। इस दौरान अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक शालिनी रैना और मुख्य वन संरक्षक मणिवासगन एस. सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षु अधिकारियों को क्षेत्रीय कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। धमतरी वनमंडलाधिकारी जाधव श्रीकृष्ण ने बताया कि पम्पार नाला क्षेत्र में ब्रशवुड चेकडेम, लूज बोल्डर संरचना और गेबियन संरचना बनाए गए हैं, जिनसे मिट्टी का कटाव कम हुआ है। साथ ही ग्रामीणों को सिंचाई के लिए पानी और वन्यजीवों को सालभर जल उपलब्ध होने लगा है। प्रशिक्षु अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए उन्हें आठ समूहों में विभाजित किया गया है, जिनका मार्गदर्शन राज्य के विभिन्न जिलों से आए अनुभवी डीएफओ कर रहे हैं। अध्ययन दौरे के दौरान दल कुसुमपानी, कांसा और साजापानी नालों का भी भ्रमण करेगा तथा वनधन विकास केंद्र, दुगली में वन प्रबंधन से जुड़ी नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त करेगा। यह अध्ययन दौरा इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण और मृदा संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास देश के लिए एक मॉडल बनते जा रहे हैं।

गैस सिलेंडर के लिए रोजाना भटक रहे लोग, एजेंसी के चक्कर लगाना पड़ रहा

बालोद। बालोद शहर में इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर की कमी के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू उपयोग के लिए गैस सिलेंडर पर निर्भर परिवारों को समय पर सिलेंडर नहीं मिलने से रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। शहर के कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्होंने गैस सिलेंडर के लिए बुकिंग करा दी है, लेकिन कई दिनों तक डिलीवरी नहीं हो रही है। कुछ लोगों को एक सप्ताह से अधिक समय से इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में परिवारों को खाना बनाने में भी कठिनाई हो रही है। खासकर उन घरों में समस्या ज्यादा बढ़ गई है जहां रसोई गैस ही खाना बनाने का मुख्य साधन है। गैस एजेंसियों के बाहर इन दिनों उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। कई लोग सुबह से ही एजेंसी पहुंच जाते हैं, ताकि उन्हें जल्द सिलेंडर मिल सके। हालांकि एजेंसी पहुंचने के बाद भी कई बार उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है, क्योंकि पर्याप्त संख्या में सिलेंडर उपलब्ध नहीं होते। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति में देरी होने से घर का पूरा काम प्रभावित हो रहा है। कई परिवारों को मजबूरन लकड़ी या अन्य वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे समय और मेहनत दोनों अधिक लग रही है।

आयुष्मान और वय वंदन कार्ड वितरण में प्रदेश का अग्रणी जिला बना बस्तर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बीच बसे बस्तर जिले ने जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य पोर्टल द्वारा 11 मार्च 2026 तक जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार बस्तर जिला आयुष्मान भारत और वय वंदन कार्ड वितरण के मामले में प्रदेश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिलों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो गया है। कठिन रास्तों और भाषाई विविधताओं के बावजूद जिला प्रशासन की सक्रियता का ही परिणाम है कि आज बस्तर स्वास्थ्य सुरक्षा के मामले में कई विकसित और शहरी जिलों को पीछे छोड़ते हुए सफलता की नई इबारत लिख रहा है यह प्रगति मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन की बस्तर में सुविधाओं के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

जिले में पदस्थ महिला शक्ति के सहयोग से हासिल हुई उपलब्धि

बस्तर की इस अभूतपूर्व सफलता की पटकथा लिखने में जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उल्लेखनीय है कि जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी के अधिकांश पदों पर महिलाओं की नियुक्ति है, जिन्होंने अपनी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा से इस अभियान को जन-आंदोलन बना दिया है। इन महिला स्वास्थ्य अधिकारियों - कर्मचारियों ने हाट-बाजारों से लेकर सुदूर दुर्गम गाँवों तक पहुँचने की रणनीति अपनाई, जिससे भाषाई और भौगोलिक बाधाएं भी विकास की राह नहीं रोक सकीं। आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कवरेज की दिशा में बढ़ते हुए बस्तर ने अब तक 98.2 प्रतिशत आबादी को सुरक्षा कवच प्रदान कर दिया है। जिले के कुल निर्धारित 7,87,364 सदस्यों के लक्ष्य के मुकाबले 7,73,468 कार्ड बनाए जा चुके हैं। जो न केवल जिले की प्रशासनिक सजगता को दर्शाता है बल्कि राज्य के औसत 90.8 प्रतिशत से भी कहीं अधिक है।

चुप्पी में भी धीरे-धीरे कोई प्रतिरोध शामिल होना चाहिए

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

नेटफ्लिक्स पर इन दिनों चल रही वेब सीरीज 'द नाइट एजेंट' के तीसरे सीजन में सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी पत्नी संदेह और आरोपों से घिरे हैं। पता चलता है कि उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के लिए ऐसे संदिग्ध लोगों से पैसे लिए हैं, जिनका वास्ता आतंकी धमाकों से भी है। अमेरिका के मनोरंजन उद्योग में इन दिनों ऐसी और भी फिल्में या वेब सीरीज हैं, जिनमें सर्वोच्च स्तर के नेता, अफसर या खुफिया अधिकारी अपने ही देश से गद्दारी करते नजर आते हैं। उस अमेरिका में ये फिल्में या सीरीज बन रही हैं, जिसे दुनिया का सबसे कामयाब लोकतंत्र माना जाता है। जाहिर है, आम अमेरिकियों में लोकतांत्रिक प्रणाली से निकले नेतृत्व को लेकर मोहभंग है, जिसकी अभिव्यक्ति इन फिल्मों या सीरीज में दिखती है। ट्रम्प के दौर में इस व्यवस्था में श्वेत नस्लवाद, सैन्य वर्चस्ववाद, कुंठित मर्दवाद का जो नया त्रिकोण विकसित होता दिख रहा है, उस पर फिल्में बननी शायद अभी बाकी हैं। ईरान पर अमेरिकी हमले के बीच एप्स्टीन फाइलों से खुल रहा सिहरा देने वाला सच बताता है कि हम सभ्यता के कितने भयावह पाखंड के बीच रह रहे हैं। एप्स्टीन फाइलों में शामिल नामों पर एक सरसरी निगाह भी बताती है कि किस तरह दुनिया के ताकतवर लोग- राजनीतिक, आर्थिक व बौद्धिक मानक बनाने वाले भी- इस काली-घिनौनी सूची में शामिल हैं और तब भी कोई व्यवस्था उनका बाल बांका तक नहीं कर पा रही। उल्टे वे अपने कुकृत्य छुपाने या उनकी चर्चा मंद करने के लिए ईरान पर हमले कर रहे हैं, संसदों की कार्यवाहियां ठप्प होने दे रहे हैं।

शोध पत्रों से आगे बढ़ उत्पाद आधारित होनी चाहिए पीएचडी

आज जब भारत स्वयं को ज्ञान और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना चाहता है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि विश्वविद्यालयों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएचडी को अधिक व्यावहारिक, समाजोपयोगी और उद्योग आधारित बनाया जाए। इस संदर्भ में चीन का वह शिक्षा मॉडल अत्यंत प्रासंगिक है, जिसमें पीएचडी डिग्री केवल शोध-पत्रों पर ही नहीं, अपितु विश्वविद्यालय में किसी नए उत्पाद, प्रोटोटाइप या तकनीकी समाधान के आविष्कार पर भी आधारित हो सकती है।

यदि भारतीय विश्वविद्यालय इस मॉडल को अपनाते हैं, तो शोध की दिशा में गुणात्मक वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। वर्तमान व्यवस्था में पीएचडी प्राय: सैद्धांतिक विमर्श और प्रकाशन-केंद्रित होती है, जिससे कई बार शोध प्रयोगशालाओं से बाहर निकल समाज या उद्योग तक नहीं पहुंच पाता है, जिसके फलस्वरूप इस प्रकार के शोध विश्वविद्यालय के पुस्तकालय की शोभा बढ़ाने के अतिरिक्त किसी उपयोग के नहीं होते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उत्पाद-आधारित पीएचडी प्रणाली शोधार्थियों को वास्तविक समस्याओं की पहचान करने और उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित करेगी। इससे विश्वविद्यालय मात्र ज्ञान उत्पादन के केंद्र न रहकर नवाचार और तकनीकी विकास के पहिये बन सकते हैं। यह रेखांकित करना यहां उचित होगा कि इस परिवर्तन में नियामक संस्थाओं की भूमिका भी नि:संदेह अत्यंत निर्णायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यदि पीएचडी मूल्यांकन के मानदंडों में पेटेंट, प्रोटोटाइप, तकनीकी हस्तांतरण और स्टार्टअप सृजन को मान्यता देता है, तो विश्वविद्यालयों को स्पष्ट दिशा मिलेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पाठ्यक्रम संरचना में लचीलापन लाकर उद्योग-सहयोग आधारित शोध, सह-मार्गदर्शन और बहु-विषयक परियोजनाओं को बढ़ावा दे सकता है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अकादमिक गुणवत्ता बनी रहे और नवाचार को भी समान महत्व मिले।

लंबे-लंबे शोध एवं साहित्य समीक्षा की अनिवार्यता समाप्त कर पीएचडी शोधार्थियों के लिए 'प्रोडक्ट डिजाइन एंड डेवलपमेंट' विषय कोर्स वर्क में सम्मिलित किए जाने की अनुशंसा की जा सकती है। सीधे उत्पाद या तकनीक आधारित शोध को प्रोत्साहन मिलने से शोधार्थी लंबी और उबाऊ शोध प्रकाशन प्रक्रिया से भी बच सकेंगे। इसके अतिरिक्त परीक्षकों के लिए भी शोध परखना सरल होगा और यह पूरा शोध चक्रीय समय को बचा पाएगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों में इस संस्कृति को संस्थागत रूप दे सकती है। यह उद्योग-अकादमिक साझेदारी के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश, वित्तीय प्रोत्साहन और मान्यता तंत्र विकसित कर सकती है, जिससे विश्वविद्यालयों में विकसित उत्पाद स्थानीय और राष्ट्रीय उद्योग की आवश्यकताओं से सक्रिय रूप से जुड़े हों।

यदि नियामक एजेंसियां इस पहल को रैंकिंग, मान्यता और वित्तीय सहायता से जोड़ें, तो विश्वविद्यालय स्वाभाविक रूप से नवाचार-केंद्रित पीएचडी की ओर अग्रसर होने को प्रेरित होंगे। इस मॉडल से उद्योग भी लाभान्वित होंगे। जब विश्वविद्यालयों में शोध सीधे उत्पाद या तकनीक के रूप में सामने आएगा, तो छोटे और मध्यम उद्योग, जिनके पास बड़े अनुसंधान एवं विकास संसाधन नहीं होते, विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर समस्याओं का समाधान पा सकेंगे। इससे तकनीक का स्थानीयकरण होगा, आयात पर निर्भरता घटेगी और क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा। स्टेम स्नातकों और शोधार्थियों को उत्पाद-आधारित पीएचडी केवल पाठ्यक्रम या परीक्षाओं तक सीमित न रख, अपितु प्रयोग, नवाचार और जोखिम लेने की मानसिकता विकसित करने के लिए भी प्रेरित करेगी। जब विफलता को सीख की प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया जाएगा, तब सृजनात्मकता स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। यही प्रक्रिया आगे चलकर स्टार्टअप संस्कृति को सुदृढ़ करेगी। यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित न रहे, अपितु समाज, उद्योग और राष्ट्र के लिए ठोस समाधान गढ़ने का माध्यम भी बने।

दीर्घकाल तक सत्संग से ही संदेहों का नाश होता है

पं. विजयशंकर मेहता

बचपन में तर्कशक्ति बौद्धिक क्षमता को बताती है। स्मरण-शक्ति कभी भी धोखा दे सकती है, क्योंकि स्मृति में बहुत कम बातें ही रुकती हैं। और एक ही समय में यदि कई चीजों पर ध्यान दिया जाए तो परिणाम में दबाव और तनाव मिलेगा। हम देख रहे हैं हमारे बच्चे इन समस्याओं से जूझ रहे हैं। तो इसका एक तरीका है कि उन्हें सत्संग से गुजारा जाए।

माता-पिता कहते हैं बच्चों को सत्संग में क्यों ले जाएं, अभी उनकी उम्र नहीं है। लेकिन तैयारी बचपन से ही करनी पड़ेगी। गरुड़, राम का रहस्य जानने के लिए शंकर जी के पास पहुंचे तो रास्ते में ही शंकर जी मिल गए और गरुड़ ने पूछा कि मुझे बताइए मुझे राम की शक्ति पर भ्रम क्यों हो रहा है।

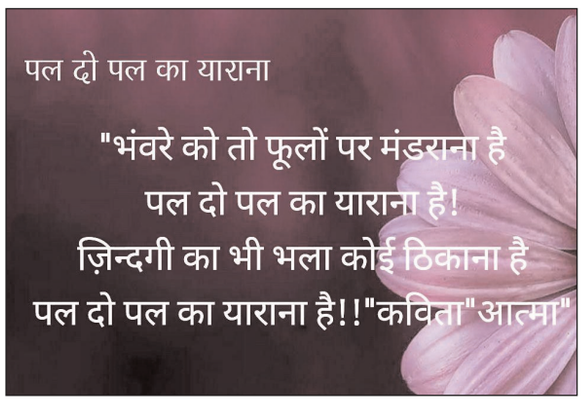

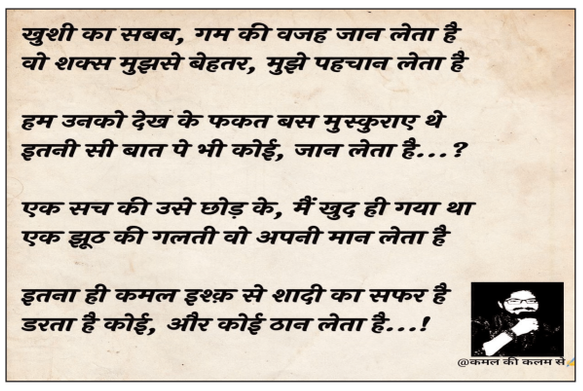

अब यह सोच जीत रही है कि खिलाड़ी से बड़ी टीम होती है

टी-20 विश्व कप में भारत की जीत को अगर हम सिर्फ स्कोरबोर्ड की नजर से देखें, तो इसके असली मायनों को चूक जाएंगे। यह जीत भारतीय क्रिकेट के भीतर आ रहे एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह सिर्फ 11 खिलाड़ियों की टीम की नहीं, बल्कि उस नए सिस्टम की जीत है, जो पिछले कुछ वर्षों में तैयार हुआ है। लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट सुपरस्टार खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द घूमता रहा। कभी यह टीम सचिन तेंदुलकर के नाम से जानी गई, कभी सौरव गांगुली के नेतृत्व ने इसे पहचान दी, फिर महेंद्र सिंह धोनी और उसके बाद रोहित शर्मा जैसे कप्तानों के दौर में टीम की पहचान अकसर एक व्यक्ति से जुड़ जाती थी।

1983 का विश्व कप आज भी कपिल की टीम के नाम से याद किया जाता है। 2007 और 2011 की टीमें धोनी की टीमें कहलाईं। पिछले कुछ वर्षों में रोहित की टीम शब्द भी बार-बार सुनाई देता रहा। लेकिन इस बार तस्वीर बदल गई है। इस टीम में कोई ऐसा सुपरस्टार नहीं है, जिसकी छवि बाकी खिलाड़ियों से कई गुना बड़ी हो। इस टीम में युवा खिलाड़ी हैं, प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, लेकिन कोई ऐसा चेहरा नहीं है जो पूरी टीम पर हावी हो। ये खिलाड़ी शायद विज्ञापनों में कम दिखते हों, लेकिन मैदान पर सही समय पर कमाल जरूर दिखाते हैं। यही इस जीत की सबसे बड़ी खासियत है।

भारतीय क्रिकेट अब सुपरस्टार संस्कृति से आगे बढ़कर टीम संस्कृति की तरफ जा रहा है, जहां जीत का श्रेय किसी एक खिलाड़ी को नहीं, पूरे सिस्टम को मिलता है। इस बदलाव का एक और दिलचस्प पहलू है। पहली बार ऐसा हुआ है कि टीम का सबसे बड़ा चेहरा कोई खिलाड़ी या कप्तान नहीं, बल्कि टीम का कोच बन गया है। और वो पोस्टर बॉय हैं- गौतम गंभीर। फुटबॉल की दुनिया में यह मॉडल काफी पुराना है। वहां बड़े क्लबों की पहचान उनके मैनेजर से होती है।

भारतीय क्रिकेट में यह सोच अब दिखाई देने लगी है। गौतम गंभीर ने जब टीम की कमान कोच के रूप में संभाली, तो उन्होंने शुरुआत में ही एक बात साफ कर दी थी- अब टीम में जगह नाम से नहीं, बल्कि प्रदर्शन से मिलेगी। पहले ऐसा होता था कि बड़े खिलाड़ियों को ड्रॉप करने में चयनकर्ताओं, कप्तान और कोच के हाथ फूल जाते थे। लेकिन अब यह स्थिति बदल रही है। गौतम गंभीर ने ऐसा सिस्टम बनाने की कोशिश की, जहां टीम किसी एक स्टार पर निर्भर न रहे। जहां हर खिलाड़ी यह समझे कि अगर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगा, तो उसकी जगह लेने के लिए कई खिलाड़ी तैयार बैठे हैं।

यह सोच उनके अपने अनुभव से भी निकली है। 2011 के विश्व कप फाइनल को याद कीजिए। उस मैच में गौतम गंभीर ने 97 रन की बेहद महत्वपूर्ण पारी खेली थी। लेकिन उस जीत की चर्चा में अकसर धोनी के छक्के और उनकी कप्तानी का ही जिक्र होता है। टी-20 विश्व कप में भी संजू सैमसन की तीन पारियों को देखिए- 97, 89, 89... हर बार वो शतक के इतने नजदीक आए, लेकिन उन्होंने निजी रिकॉर्ड बनाने के लिए रन रेट को गिरने नहीं दिया और एक भी बॉल खराब नहीं की। पहले बड़े खिलाड़ी शतक के करीब पहुंचकर बड़े शॉट्स छोड़कर सिंगल लेकर पहले अपना शतक पूरा करते थे, लेकिन अब 99 पर पहुंचकर भी ये नए खिलाड़ी छक्के या चौके के बारे में सोचते हैं। गौतम गंभीर ने कई बार कहा है कि क्रिकेट एक टीम गेम है और जीत का श्रेय किसी एक खिलाड़ी को नहीं दिया जाना चाहिए। आज जब वे भारतीय टीम के कोच हैं तो उन्होंने उसी सोच को टीम की संस्कृति का हिस्सा बनाने की कोशिश की है।

हालांकि यह बदलाव आसान नहीं था। जब टीम हारती थी तो सबसे पहले गंभीर को ही निशाने पर लिया जाता था। सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना होती थी और कई बार यह कहा गया कि वह टीम को गलत दिशा में ले जा रहे हैं। लेकिन बड़ी योजनाओं के परिणाम कभी भी रातों-रात नहीं मिलते। आज भारत शायद दुनिया का इकलौता देश है, जिसके पास टेस्ट, वनडे और टी-20 के लिए अलग-अलग मजबूत टीमें तैयार हैं। इतना ही नहीं, भारतीय क्रिकेट के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के करीब 100 खिलाड़ियों का विशाल टैलेंट पूल भी मौजूद है। यह स्थिति अचानक नहीं बनी है। बीसीसीआई ने बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया, जहां खिलाड़ियों को आधुनिक ट्रेनिंग और तकनीक की सुविधाएं मिलती हैं। घरेलू क्रिकेट की प्राइज मनी को लगभग 300 प्रतिशत तक बढ़ाया गया। महिला क्रिकेट को भी पुरुष क्रिकेट के बराबर महत्व दिया गया ।

थोड़ी-बहुत फिक्र भली, पर ज्यादा चिंता किस काम की?

रोज ऑफिस से निकलने के पहले आप मम्मी को मैसेज करती हो- निकल गई। एक दिन रिक्शे में बैठने के बाद पता चलता है कि फोन ऑफ हो गया है। कोई बात नहीं, मम्मी समझ जाएंगी। लेकिन आप घर में घुसे, तब जाकर मम्मी ने चैन की सांस ली। फोन ऑन किया तो देखा- 12 मिस्ड कॉल। अरे, चिंता तो होती है, मम्मी ने कहा, जैसे कि उनकी चिंता प्रकृति की देन हो। जैसे हम सांस लेते हैं, उसी तरह इस देश में हम 24 घंटे किसी न किसी चिंता में डूबे रहते हैं। बच्चों के एग्जाम-चिंता। घर पर मेहमान- चिंता। कामवाली आज लेट- चिंता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि लव लैंग्वेज यानी कि प्यार जताने के पांच तरीके होते हैं। उन्हें क्या पता हमारे पास एक और तरीका है- चिंता। वैसे शायरों ने भी भले सीधे तरीके से इसका जिक्र नहीं किया हो, लेकिन उनके गाने अगर आप ध्यान से सुनें तो समझ जाएंगे- आंखों ही आंखों में इशारा हो गया, बैठे-बैठे जीने का सहारा हो गया। मतलब?

मतलब ये कि बीस साल बाद कोई होगा पूछने वाला- तुमने खाना खाया? दवाई ली? बिजली का बिल भरा? वैसे अंग्रेजी में इसे कहते हैं 'नैगिंग' और कई बार आप चिढ़ के जवाब भी दोगे- बस करो। लेकिन अगर कल ये सवाल बंद हो जाएं तो आपको बुरा भी लगेगा। कि किसी को मेरी पड़ी नहीं है, कोई पूछ नहीं रहा।

आज ज्यादातर शादियां इसी पूछ-ताछ के सहारे चल रही हैं। चाहे कोई 'आई लव यू' न कह रहा हो, कम से कम इस विशाल दुनिया में मेरे ब्लड प्रेशर की किसी को तो फिक्र है। वैसे कभी-कभी हंसी भी आती है।

प्लेन में जैसे ही अनाउन्स होता है- 'आप मोबाइल का इस्तेमाल कर सकते हो'- आस-पास चार फोन बजेंगे। सवाल है- 'पहुंच गए'? अब फोन बजा है, उठाया है, मतलब पहुंच ही गए होंगे। भगवान न करे, कोई हादसा हो जाए, तो सवाल-जवाब का मौका ही नहीं मिलेगा... अब यहां तक की चिंता तो चलो, एक तरह से ठीक है। मगर मैंने ऑब्जर्व किया है कि हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम-चिंता। स्टॉक मार्केट डाउन-चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला-चिंता। इन टॉपिक्स पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर।

सुना होगा आपने 'हॉन्टेड हाउस' के बारे में। जैसे बंगले पर कब्जा करके भूत बेमतलब घूमता है, उसी तरह चिंता। यह एक भूत है, जिसने एक बार आपके दिमाग पर कब्जा कर लिया, तो फिर वो आपको डराता रहेगा। कोई भी सिचुएशन हो, आपको उसमें कुछ नेगेटिव ही दिखाई देगा। मैं यह नहीं कह रही कि आप आंखें मूंद कर बैठिए। दुनिया में जो हो रहा है। उससे वाकिफ होना जरूरी है। लेकिन चिंता के बजाय चिंतन कीजिए। दोनों के बीच बस एक फर्क है- चिंतन करने वाला इंसान डरता नहीं। हालात आपके कंट्रोल में नहीं हैं, लेकिन हालात के प्रति आपका रिस्पॉन्स क्या होगा, यह आपके हाथ में है।

आजकल एग्जाम के पहले कुछ बच्चे बीमार पड़ जाते हैं, उल्टियां आने लगती हैं। डॉक्टर मानते हैं इसकी वजह है एंग्जायटी यानी कि घबराहट- जो है चिंता का बड़ा भाई। अजीब बात यह है कि ज्यादातर वो बच्चे घबराते हैं जिन्होंने पढ़ाई करी है, अच्छी तरह से। उनका डर यह है कि नंबर थोड़े कम आए तो क्या होगा? उन्होंने अपने मन में एक लंबी कहानी लिख डाली है कि मेरा एडमिशन सही जगह नहीं होगा, मेरी लाइफ बर्बाद हो जाएगी। भाई, जीवन में सुख और सफलता पाने के एक नहीं, अनेक रास्ते हैं। लेकिन घबराए हुए इंसान को उन रास्तों पर चलने की हिम्मत न होगी। इसलिए पैरेंट्स को मेरी सलाह है, बच्चों को निडरता से जीना सिखाइए।

थोड़ी-बहुत चिंता ठीक है, लेकिन अगर वे आपको हर वक्त चिंतित देखेंगे, तो वे भी उस भूत को अपने मन में बसा लेंगे। जो ज्यादा चिंता करता है, कुछ भी करने से डरता है। सोच ही सोच में फंस जाता है, सुख में भी दु:ख ही पाता है। जो होना है सो होकर रहेगा, आपकी चिंता से कुछ न बदलेगा। चिंता से चिंतन का सफर तय कीजिए, जीवन अपना आनंदमय कीजिए। हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक मार्केट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन सब पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

धरती का भार न समझें बढ़ती हुई आबादी को

आयुर्वेद में जो रस-भस्म की प्रक्रिया है, उसमें पारे का बड़ा महत्व है। पारा वैसे बड़ा घातक है। लेकिन आयुर्वेद की रस प्रक्रिया में पारे को भी भस्म के रूप में परिणत करते हैं। पारे के साथ आयुर्वेद में दूसरा महत्व सोने का है। सोने को भी जलाकर भस्म के रूप में परिणत किया जाता है। इस तरह से सोने और पारे के साथ-साथ अन्य दवाइयां को मिलाकर रस का निर्माण होता है। महर्षि भारद्वाज ने भरतजी से कहा - भरत ! हम लोगों के पास पारा तो था लेकिन सोना नहीं मिल रहा था। परंतु आज सोना भी मिल गया। पारा मिलना कठिन नहीं होता। कच्चा पारा मिलना सरल है, पर शोधित पारा कठिनाई से मिलता है। और भई ! यह जो हमारा मन है, यही बिल्कुल पारे की तरह है। पारा अत्यंत चंचल तथा कच्चे रूप में शरीर को फोड़कर निकलने वाला होता है। पारे को यदि आप हाथ में लीजिए तो इसको एक क्षण भी स्थिर रखना असंभव है, इतना चंचल है यह। किंतु भई ! कोई ऐसी कला चाहिए जिससे कि मन रूपी पारे की चंचलता दूर हो।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

बढ़ती आबादी को लेकर आजकल खूब चिंता होती दिखती है। आबादी पर अंकुश लगाने के सरकारी स्तर पर प्रयास भी कम नहीं होते। छोटा परिवार रखने के लिए प्रलोभन भी दिए जाते हैं। श्रद्धेय कुलिश जी ने अपने आलेख में यह सवाल उठाया कि आखिर धनवान देश गरीब देशों की चिंता क्यों कर रहे हैं? सारी दुनिया के साठ प्रतिशत साधनों का भोग ये उन्नत देश कर रहे हैं। वे कभी नहीं चाहेंगे कि उनकी भोग्य सामग्री या रहन-सहन में कोई कटौती हो।

अमरीका से कोई नारा चलता है तो हम 'स्याल सीटी' बजाना शुरू कर देते हैं। सियार की आदत है कि कहीं एक ने चीखना शुरू किया, तो एक-एक कर आस-पास के सियार भी चीखना शुरू कर देते हैं। अमरीका में एक नारा लगा कि दुनिया की आबादी बढ़ रही है अत: उस पर रोक लगाई जाए क्योंकि आबादी बढ़ते रहने के कारण गरीब मुल्कों को

विकास योजनाओं का लाभ नहीं मिलता। जितना भी माल पैदा होता है, उसे बढ़ती हुई आबादी चट कर जाती है। कितने पते की बात है और कितनी अच्छी बात है। आबादी नहीं बढनी चाहिए।

खाने वाले ज्यादा होंगे और खाने को कम होगा तो भुखमरी, गरीबी बढ़ेगी। इस विचारधारा का हमारे यहां भी हर कोई नेता, बुद्धिजीवी, राज दरबारी, सब लोग आबादी कम करने की बात जोर-शोर से कर रहे हैं। सरकारी नीतियों में आबादी कम करने पर जोर दिया जाता है। कुछ सालों पहले जो कार्यक्रम परिवार नियोजन के नाम से चलाया जाता था आज परिवार कल्याण के नाम से चलाया जाता है क्योंकि आपातकाल में नसबंदी अभियान के कारण परिवार नियोजन कार्यक्रम बदनाम हो गया था। आबादी को कम करने के नाम पर जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं उनमें नसबन्दी, गर्भनिरोधक गोलियां, कण्डोम और न जाने क्या-क्या उपाय काम में लाए जाते हैं। परिवार कल्याण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रलोभन दिए जाते हैं। आबादी बढने के नारे के कई पहलू हैं जिन पर विचार किया जाना जरूरी है। आबादी की बढ़ोतरी ज्यादातर गरीब मुल्कों में हैं और उसकी चिंता अमीर मुल्कों को सता रही है। आबादी बढ़ोतरी के साथ जनशक्ति भी तो बढ़ रही है, तो हम यह नहीं सोचते कि एक मनुष्य अपने खाने लायक पैदा कर सकता है या नहीं। एक सवाल यह है कि दुनिया में जो समस्या है वह रोटी की है या शान-शौकत की है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या बढ़ती हुई आबादी को हम धरती का भार समझ लें और इस भार को हल्का करने के लिए भगवान विष्णु को अवतार धारण करने की गुहार करें।

गरीब देशों में आबादी का बढना अच्छा नहीं है यह सही बात है। प्रश्न यह है कि क्या संख्या ही देश का मापदण्ड है या मानव जीवन का निचोड़ है। आबादी यदि बढ़ती भी है तो उसे किस तरह से रोका जाए यह मुख्य प्रश्न है। हमारे देश में जनसंख्या को नियंत्रित करने के उपाय क्या हों और जनसंख्या का उपयोग किस तरह से हो यह भी एक सवाल है। देश के संपूर्ण इतिहास में कभी संतान को नहीं कोसा गया। संतान होना सदैव मंगल का सूचक माना गया। सारे संस्कारों में, मांगलिक गीतों में संतान वृद्धि कामना होती है और इसका मान किया जाता है।

मनुष्य की मानसिक रचना को किस तरह से नया मोड़ दिया जाए यह भी बड़ा टेढ़ा काम है। यदि विशिष्ट देश के मनुष्य की मानसिकता को ध्यान में रखकर कोई राष्ट्रीय योजना बनाई जाए तो वह निश्चिय ही कारगर साबित नहीं होगी। अच्छा तो यह हो कि आबादी पर अंकुश लगाने के साथ हम पुरुषार्थ प्रकट करें और ऐसी फिजां पैदा करें कि देश की पूरी जनशक्ति उत्पादन में रत हो। उसे अवसर और सुविधाएं प्रदान की जाएं।

अमरीका में भी भिखमंगी

एक बात मेरी समझ में बिल्कुल ही नहीं आई कि अमरीका में बिजली की तेज रोशनी के नीचे अंधेरा क्यों है? हर बड़े शहर में भिखमंगे मौजूद है। भारत में तो हम इसलिए परेशान हैं कि कहीं भिखमंगों की भीड़ से विदेशी मेहमान परेशान न हो जाएं। भिखमंगी का कारण भी देशव्यापी गरीबी कहा जा सकता है, लेकिन न्यूयार्क और वाशिंगटन के पास इसकी कोई सफाई नहीं हो सकती। मैंने बहुत सुना है कि बेरोजगार को घर बैठे वेतन दिया जाता है। मैंने बहुत सुना है कि बड़ी उम्र के लोगों के लिए अलग से मकान बने हुए हैं, जहां उन्हें सारी सुविधाएं मिलती हैं। मैंने बहुत सुना है कि अमरीका में अवसर की समानता है लेकिन यह भिखमंगी क्यों?

रायपुर में सिक्योरिटी-अफसर को अंडरवर्ल्ड डॉन के नाम पर धमकी

रायपुर। राजधानी के डीडी नगर थाना क्षेत्र में एक सिक्योरिटी अफसर के साथ 20 लाख रुपए की धोखाधड़ी और अंडरवर्ल्ड के नाम पर धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मकान बनवाने के लिए एडवांस रकम लेने के बाद जब ठेकेदार ने काम अधूरा छोड़ दिया, तो पैसे वापस मांगने पर पीड़ित को छोटा शकील और दाऊद इब्राहिम के गुर्गों से गोली मरवाने की धमकी दिलाई गई। एनआईटी कैंपस में पदस्थ सिक्योरिटी अफसर बलराम नायक ने अवंति विहार निवासी ठेकेदार दिनेश देवांगन (मेसर्स पुनिवर्सल ब्रिक्स) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बलराम नायक के मुताबिक, उन्होंने महादेव घाट रोड स्थित सुदर्शन विहार में अपने मकान के पुनर्निर्माण का जिम्मा दिनेश को सौंपा था। साल 2024 से 2025 के बीच उन्होंने किश्तों में करीब 20 लाख रुपए का भुगतान किया, लेकिन ठेकेदार ने काम पूरा नहीं किया।

दाऊद और छोटा शकील के नाम से डराया पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने काम पूरा करने या पैसे लौटाने का दबाव बनाया, तो ठेकेदार अपनी असली पहचान पर उतर आया। ठेकेदार ने एक कथित अपराधी से बलराम को फोन करवाया। फोन करने वाले ने खुद को अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा शकील और दाऊद इब्राहिम का करीबी बताते हुए कहा कि अगर दोबारा पैसे मांगे तो गोली मार दी जाएगी। यही नहीं, आरोप है कि ठेकेदार ने कुछ गुंडों की मदद से फर्जी इकरारनामे पर जबरन हस्ताक्षर कराने और ब्लैकमेल करने की भी कोशिश की।

रायपुर में संपत्तिकर नहीं चुकाने वालों पर निगम सख्त

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले संपत्तिकर के बड़े बकायादारों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जोन क्रमांक-8 के वीर सावरकर नगर और नेहरू वार्ड में निगम की टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए कई व्यावसायिक परिसरों को सील कर दिया है।

निगम प्रशासन के मुताबिक, इन बकायादारों को पहले डिमांड बिल, डिमांड नोटिस और फिर अंतिम चेतावनी नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद वर्षों से टैक्स जमा नहीं करने पर आयुक्त और जोन आयुक्त के निर्देश पर यह सख्त कदम उठाया गया। निगम की टीम ने दुकानों और भवनों में ताला जड़ा और उन्हें आधिकारिक रूप से सील कर दिया।

इन बड़े बकायादारों पर गिरी गाज

संतोषी देवी: 8,36,874 रुपए
प्रीतम सिंह: 5,29,434 रुपए
हरवंश सिंह, महेंद्र सिंह व सुरजीत कौर: 4,52,317 रुपए
अशोक, विजय व विनोद नवानी: 2,25,857 रुपए
आदिल खान: 1,41,022 रुपए
राहुल धारीवाल: 1,83,697 रुपए

इसके अलावा नेहरू वार्ड के हैदर रज़ा के भवन को इसलिए सील किया गया, क्योंकि उन्होंने अब तक अपनी संपत्ति का टैक्स अधिरोपित ही नहीं कराया था।

निगम अफसर बोले- कार्रवाई जारी रहेगी

नगर निगम के अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह अभियान अभी थमेगा नहीं। जिन संपत्ति मालिकों ने अब तक अपना बकाया टैक्स जमा नहीं किया है, वे तत्काल भुगतान करें। आने वाले दिनों में अन्य जोनों में भी इसी तरह की कुर्की और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

सिलेंडर नहीं मिल रहा, एजेंसी के बाहर कतार : हर दिन 3 हजार से ज्यादा बुकिंग इसलिए ऑनलाइन सिस्टम ठप

रायपुर। राजधानी में गैस सिलेंडरों को लेकर जमकर आपाधापी मची है। गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर लोगों की लंबी कतार दिखाई दे रही है। हर गैस एजेंसी के पास एक दिन में औसतन तीन हजार की बुकिंग आने के बाद अब ऑनलाइन बुकिंग पूरी तरह से बंद कर दी गई है। लोग ऑनलाइन बुकिंग करवा ही नहीं पा रहे हैं।

पेट्रोलियम कंपनियों के आदेश पर नए सिलेंडरों में की बुकिंग पूरी तरह से बंद कर दी गई है। एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल ने अपने सभी गैस एजेंसियों से कहा है कि अभी सिलेंडरों को लेकर स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए नए सिलेंडरों की बुकिंग नहीं की जाए।

पिछले दो दिन में सिलेंडरों को लेकर लोगों में डर का माहौल है। आमतौर पर एक गैस एजेंसी में औसतन 300 से 500 सिलेंडरों की ही बुकिंग आती थी। लेकिन अभी सभी गैस एजेंसियों के पास औसतन 3000 सिलेंडरों की बुकिंग आ चुकी है। एजेंसी संचालक भी सकते में हैं कि लोग इतनी बुकिंग क्यों करवा रहे हैं।

इधर दूसरी कमर्शियल सिलेंडरों के बाद घरेलू सिलेंडरों की भी कालाबाजारी शुरू हो गई है। जरूरतमंद लोगों को 1500 से 2000 रुपए में सिलेंडर बेचा जा रहा है। जो लोग बिना कार्ड के सिलेंडर रखे हैं उन्हें अवैध तरीके से ही सिलेंडरों की खरीदी करनी पड़ रही है।

चाय-नाश्ता सेंटर बंद होने लगे, डोसा बनाना भी बंद कर दिया

शहर में चाय-नाश्ता सेंटर बंद होने लगे हैं। गैस एजेंसियों की ओर से कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई बंद कर दी गई है। जो सेंटर घरेलू सिलेंडरों का उपयोग करते थे वे प्रशासन के डर से सिलेंडर नहीं ले रहे हैं। इस वजह से धीरे-धीरे चाय-नाश्ता सेंटर बंद हो रहे हैं। नाश्ता सेंटर वालों ने डोसा बनाना बंद कर दिया है।

उनका कहना है कि इसमें गैस ज्यादा लगती है। चिकनी मंदिर के पास बरसों से डोसा का कारोबार करने वाले रेस्टोरेंट के संचालक नरेश जैन ने बताया कि फिलहाल वे डोसा नहीं बनवा रहे हैं। इसी तरह संतोषीनगर, टिकरापारा में होटल चलाने वालों ने बताया कि उन्होंने डीजल इंजन चूल्हा की व्यवस्था करना शुरू कर दिया है। इससे कम से कम होटल तो खुल सकेगा।

जिम्मेदारों का दावा: अभी घबराने की जरूरत नहीं

खाद्य विभाग के प्रभारी और अपर कलेक्टर कीर्तिमान राठौर ने

बताया कि रायपुर जिले में करीब 7.49 लाख गैस उपभोक्ता हैं। इसमें कमर्शियल सिलेंडर के उपभोक्ता लगभग 2.49 लाख हैं। घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई लगातार की जा रही है। अभी लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। बिना वजह लोग सिलेंडरों की बुकिंग नहीं कराएं। अभी नियमानुसार एक सिलेंडर लेने के बाद 25 दिन के पहले किसी को भी सिलेंडर की सप्लाई नहीं की जाएगी।

इंडक्शन की बिक्री बढ़ी, ऑनलाइन भी स्टॉक खत्म

गैस की किल्लत की वजह से इंडक्शन की बिक्री सौ फीसदी बढ़ गई है। जितना इंडक्शन दुकानदार एक महीने में भी नहीं बेच पाते थे उतना एक दिन में बिक जा रहा है। मालवीय रोड स्थित सुराना संस के संचालक राजेश सुराना ने बताया कि वे ऑफलाइन-ऑनलाइन दोनों कारोबार करते हैं।

आरटीई में गड़बड़ी : स्कूल 'अंग्रेजी' और सीटें भर दीं 'हिंदी' माध्यम की; 11 अफसरों को नोटिस

रायपुर। प्रदेश में आरटीई की सीटें कम होने के बाद से लगातार विवाद चल रहा है। इधर, राजधानी में अब इसी से जुड़ा नया मामला सामने आया है। दरअसल, आरटीई कोटे से निजी स्कूलों की सीट निर्धारण प्रक्रिया में गड़बड़ी को लेकर रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी ने 11 निजी स्कूलों के नोडल अधिकारियों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

नोटिस में सीट प्रावधान (सीट प्रोटेक्शन/निर्धारण) में की गई त्रुटियों को कारण बताया गया है। जांच में यह पाया गया कि वास्तविक छात्र संख्या और माध्यम के अनुसार सीटों का निर्धारण अलग होना चाहिए था। इस गड़बड़ी को सुधारते हुए अब संशोधित सीट निर्धारण किया गया है और संबंधित नोडल अधिकारियों से जवाब तलब किया गया है।

इनमें प्रेमशीला एक्का, शोभा वर्मा, अनुराग ओझा, स्मृति शर्मा, राम बंदारु, शिवपाल सिंह चंद्रा, नीटा एंटोनी, वंदना अग्रवाल और हेमवती चिवाने का नाम शामिल है।

इन स्कूलों में गड़बड़ी हुई

सूची में शामिल स्कूलों में मंदिर हसौद, तमासिवनी, उरला, रामनगर बस्ती, पारसदा, मंदीरहसौद और अमलीडीह क्षेत्र से जुड़े निजी स्कूल शामिल हैं। इनमें कुछ मामलों में हिंदी माध्यम के आधार पर सीट प्रोटेक्शन किया गया, जबकि स्कूल अंग्रेजी माध्यम में संचालित पाया गया। वहीं कुछ स्कूलों में छात्र संख्या कम या अधिक होने के बावजूद उसी आधार पर सीटें सुरक्षित कर दी गईं।

संख्या भी बदल गई

इसी तरह फुंडहर क्षेत्र के कई निजी स्कूलों में भी छात्र संख्या के अनुपात में सीट निर्धारण में त्रुटि पाई गई। उदाहरण के तौर पर कहीं 26 सीटों के आधार पर प्रोटेक्शन किया गया, जबकि सुधार के बाद 30 सीटों के अनुसार निर्धारण किया गया। कुछ अन्य स्कूलों में 86 के स्थान पर 89 या 12 के स्थान पर 13 सीटों के अनुसार संशोधन किया गया।

कहीं कहीं कुछ स्कूलों में गड़बड़ियां हुई हैं। इसके लिए नोडल अधिकारियों को नोटिस दिया गया है। -हिमांशु भारतीय, डीईओ

इस प्रकार मिलीं स्कूलों में त्रुटियां

मोनेट डीएवी पब्लिक स्कूल, मंदिर हसौद: अंग्रेजी माध्यम में 59 सीटों के अनुसार सीट प्रोटेक्शन होना था, लेकिन गलत आधार पर सीट निर्धारण कर दिया गया।

वैदिक इंग्लिश मीडियम स्कूल: हिंदी माध्यम के आधार पर सीट प्रोटेक्शन कर दिया गया, जबकि सुधार के बाद अंग्रेजी माध्यम के अनुसार सीटें तय की गईं।

संत श्री आशारामजी गुरुकुल हाई स्कूल: 26 सीटों के आधार पर प्रोटेक्शन किया गया था, जिसे सुधारकर 30 सीटों के अनुसार किया गया।

बीएसएस प्रणवानंदा एकेडमी, फुंडहर: 86 सीटों के आधार पर सीट निर्धारण किया गया, जिसे सुधारकर 89 सीटों के अनुसार किया गया।

आशीर्वाद विद्यालय, वीआईपी रोड फुंडहर: 12 सीटों के आधार पर सीट प्रोटेक्शन किया गया था, जिसे संशोधित कर 13 सीटों के अनुसार किया गया।

लिटिल सीड्स पब्लिक स्कूल, राजेंद्र नगर उरला: हिंदी माध्यम के आधार पर सीट निर्धारण किया गया, जिसे बाद में अंग्रेजी माध्यम के अनुसार संशोधित किया गया।

लोधी विद्या मंदिर, स्टेशन रोड: हिंदी माध्यम के आधार पर सीट प्रोटेक्शन किया गया था, जिसे सुधार कर अंग्रेजी माध्यम के अनुसार किया गया।

वेंकटेश्वर सिग्नेचर स्कूल, उमरिया: हिंदी माध्यम में सीट निर्धारण किया गया, जबकि सुधार के बाद अंग्रेजी माध्यम के आधार पर सीटें तय की गईं।

पतंजलि पब्लिक स्कूल, रिको: छात्र संख्या के आधार पर सीट निर्धारण में त्रुटि पाई गई,

दंगे का दर्द : 40 दिन से घरों से बाहर, बच्चों की परीक्षाएं छूटी शादी के जेवर चोरी

रायपुर। राजिम से 10 और रायपुर से करीब 52 किलोमीटर दूर स्थित खपरी दूधकईया गांव में हुए 1 फरवरी की रात के दंगों के बाद 15 परिवारों के 52 सदस्य पिछले 40 दिनों से मुस्लिम हॉल बैजनाथपारा में शरणार्थी का जीवन जी रहे हैं। दंगों ने इनके घर छीन लिए। बच्चों की परीक्षाएं छूट गई। शादी और दूसरी जरूरतों के लिए रखे जेवर चोरी हो गए।

गांव में घरों की हालत ऐसी हो गई है कि अब वहां न बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था। हॉल में रहने वाली महिलाएं, बच्चे और युवाओं को ये भी नहीं पता कि उनकी घर वापसी हो पाएगी या नहीं। हैरान करने वाली बात यह है कि इस मामले में अभी तक एक बार भी गरियाबंद पुलिस या प्रशासन ने इन लोगों को वापस घर पहुंचाने की कोई पहल नहीं की है।

दंगों के बाद भारी पुलिस सुरक्षा में इन परिवारों को रायपुर लाया गया था। एक साथ ज्यादा सदस्य होने की वजह से लोगों को मुस्लिम हॉल बैजनाथपारा में रखा गया है। समाज का हॉल होने की वजह से यह कोई किराया नहीं लग रहा है।

लोगों की मदद के लिए कई सामाजिक संगठन और हर धर्म के लोग पहुंचे। किसी ने राशन दिया तो किसी ने कपड़े। दंगे में अपना सबकुछ गंवा चुके लोगों के पास कुछ भी नहीं था। मदद के लिए हाथ बढ़ते गए। लेकिन वहां रहने वाले लोग अब भी परेशान हैं। आखिर ये मदद कब तक मिलती रहेगी। अपने घर जा पाएंगे या नहीं। ये सवाल सभी को रह-रहकर परेशान कर रहा है। आंखों में आंसू और चेहरे में उदासी लिए लोग सुबह से रात तक ज्यादा बाहर नहीं जाते। आपस में ही एक-दूसरे को हिम्मत दिलाते रहते हैं।

हमारे पास तो कुछ भी नहीं बचा, जिंदगीभर की कमाई भी गंवा दी

दंगे से प्रभावित छोटे खान, महमूद कुरैशी, सईदा बेगम, फातिमा बी, नौरेन बी, सलीम खान, राजू खान, अनस खान और बल्ला खान ने बताया कि दंगे की वजह से उनकी जिंदगी भर की कमाई चली गई। जेवर चोरी हो गए। घरों की हालत ऐसी हो गई है कि रहना मुश्किल हो गया है।

कलेक्टर साहब का कहना है कि हम कोई मुआवजा नहीं दे सकते हैं। हमारी तो पहचान भी खो गई है। आधार कार्ड समेत सभी कागज जल गए हैं। जमीन के कागजात थे वे भी जल गए। हमें तो कुछ भी समझ नहीं आता कि आखिर आगे जिंदगी कैसे जीएंगे। घरों में अंधेरा है।

बिजली-पानी सब कट गया है। रायपुर में भी लोग कब तक मदद करेंगे। कई सामाजिक संस्थानों ने इनकी मदद के लिए शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद फंड भी इकट्ठा किया है। इसमें कई समाज के लोगों ने बड़ी भागीदारी की। जो भी इनकी मदद करना चाहता है वे सीधे मुस्लिम हॉल बैजनाथपारा में इनसे संपर्क कर सकते हैं।

2 लाख पौधों से सजेगा फूलों का संसार

सड़क ही नहीं, मधुमक्खियों के लिए कॉरिडोर भी बनाएगा एनएचएआई; छत्तीसगढ़ से शुरुआत

रायपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अब सड़कों, पुल और पुलिया निर्माण के साथ-साथ मधुमक्खियों के लिए भी विशेष कॉरिडोर विकसित करेगा। छत्तीसगढ़ में इसकी शुरुआत सबसे पहले नेशनल हाईवे-53 के आरंग-सरायपाली मार्ग से की जाएगी।

इसके बाद नेशनल हाईवे-30 रायपुर-धमतरी और नेशनल हाईवे-130 कटघोरा-पथरापाली मार्ग पर भी ऐसे कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसके लिए अलग-अलग प्रजातियों के फूलदार पौधे लगाए जाएंगे, ताकि मधुमक्खियों को पूरे साल पर्याप्त मात्रा में पराग और मधुरस मिल सके। केंद्र सरकार की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।

आदेश के बाद एनएचएआई के अधिकारियों में भी हलचल मच गई है। इसे लेकर रायपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में जल्द ही धमतरी, अभनपुर, रायपुर और बिलासपुर के प्रोजेक्ट डायरेक्टरों की अहम बैठक होने वाली है।

एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार आदेश के तहत इन कॉरिडोर को गांवों से औसतन 5 से 6 किलोमीटर दूर विकसित किया जाएगा, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे करंज, महुआ, पलाश, बॉटल ब्रश और जामुन जैसे पेड़ों की हरित पट्टी विकसित की जाएगी।

इनमें सालभर फूल देने वाले पौधे लगाए जाएंगे, जिससे मधुमक्खियों को पूरे साल पराग और मधुरस उपलब्ध हो सके। एनएचएआई की इस योजना के तहत कॉरिडोर में पेड़, झाड़ियां,

जड़ी-बूटियां और घास का मिश्रण लगाया जाएगा।

ऐसे पौधों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनमें मधुरस और पराग की मात्रा अधिक होती है। पौधों का चयन इस तरह किया जाएगा कि अलग-अलग मौसम में फूल खिलते रहें और मधुमक्खियों को पूरे साल भोजन मिलता रहे।

इसके अलावा राजमार्गों के किनारे स्थानीय पारिस्थितिकी के अनुकूल पेड़ लगाए जाएंगे।

साथ ही ऐसी संरचनाओं को भी बढ़ावा दिया जाएगा जो मधुमक्खियों के प्राकृतिक आवास के लिए अनुकूल हों। इस पहल से न केवल मधुमक्खियों को लाभ होगा, बल्कि कृषि और बागवानी उत्पादन में भी बढ़ोतरी की संभावना है।

राज्य में 3 'बी कॉरिडोर' बनाए जाएंगे

एनएचएआई के क्षेत्रीय कार्यालय वर्ष 2026-27 के दौरान कम से कम तीन बी कॉरिडोर विकसित करेंगे। इसके लिए देशभर में करीब 40 लाख पेड़ लगाने की योजना है, जिनमें से लगभग दो लाख पौधे छत्तीसगढ़ में लगाए जाएंगे। यह पहल पारिस्थितिक संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण-अनुकूल राजमार्ग विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

6 माह की देरी से चल रहे बड़े प्रोजेक्ट

रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे और रायपुर-दुर्ग बाईपास का निर्माण जुलाई 2023 में शुरू हुआ था। रायपुर-विशाखापट्टनम परियोजना को सितंबर 2026 तक और रायपुर-दुर्ग बाईपास को जून 2026 तक पूरा होना है। प्रदेश के लिए दोनों प्रोजेक्ट काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के चलते ये अपने तय शेड्यूल से करीब छह महीने पीछे चल रहे हैं। हमारा लक्ष्य केवल सड़कें बनाना नहीं, बल्कि उन्हें ग्रीन हाईवे में बदलना है। यह कॉरिडोर जैव-विविधता को बढ़ावा देगा। नीम, महुआ और पलाश जैसे देशी पेड़ों से सुसज्जित ये कॉरिडोर पर्यावरण संतुलन को मजबूत करेंगे और स्थानीय कृषि को भी नई दिशा देंगे।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY
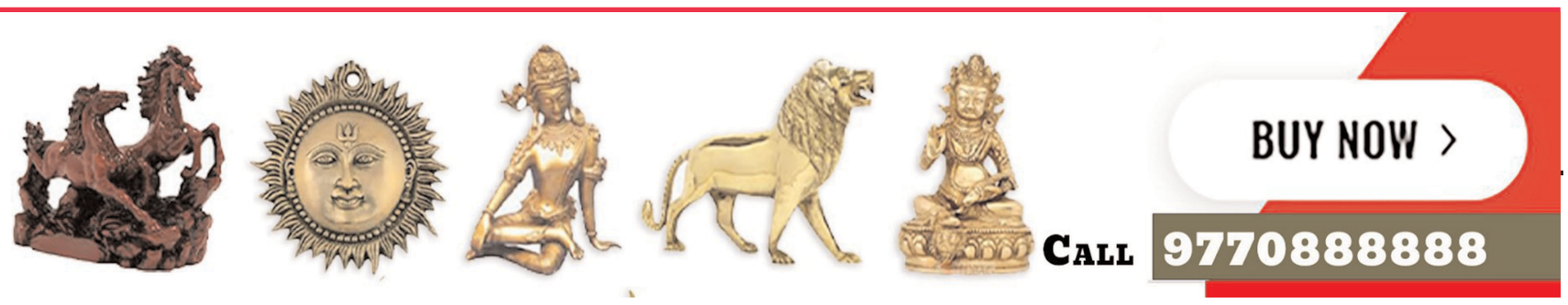
BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए सुख और संतोष से भरा रहने वाला है। व्यापार से जुड़ी आपकी योजनाएं आपको अच्छा लाभ दे सकती हैं, जिससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। यदि आपकी संतान ने हाल ही में किसी परीक्षा में भाग लिया था, तो उसके परिणाम आने की संभावना है और वह आपके लिए खुशी का कारण बन सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध

वृषभ। आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए भी आज का दिन अनुकूल संकेत दे रहा है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह या किसी शुभ कार्य को लेकर

मिथुन। आज का दिन आपके लिए मध्यम फल देने वाला रहेगा। यदि कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था और उसे पूरा करने में दिक्कत आ रही थी, तो आज उसके पूरे होने की संभावना बन सकती है। हालांकि परिवार में किसी सदस्य की सेहत अचानक खराब हो सकती है, जिसके कारण आपको भागदौड़ भी करनी पड़ सकती

कर्क। आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन संतोषजनक रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में यदि कुछ समय से मतभेद या परेशानियां चल रही थीं, तो अब उनमें काफी हद तक सुधार देखने को मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में भी आप किसी सहकर्मी से किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर सकते हैं। संतान की प्रगति और सफलता को देखकर आपका मन गर्व से भर जाएगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ा

सिंह। आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आ सकता है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने की प्रबल संभावना रहेगी। संतान भी पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन करेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। हालांकि आपको अपनी सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना चाहिए। अपरिचित लोगों से थोड़ा

कन्या। आज का दिन आपके लिए नई संभावनाएं लेकर आ सकता है, खासकर नौकरी के क्षेत्र में। नई नौकरी मिलने के योग बन रहे हैं और किसी कार्य से संबंधित यात्रा भी करनी पड़ सकती है। हालांकि आज किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचना बेहतर रहेगा, क्योंकि इससे अनावश्यक विवाद हो सकता है। आपके मन में कुछ नया और अलग करने की इच्छा जाग सकती है और आप अपने

तुला। आज का दिन आपके लिए प्रगति और तरक्की के संकेत लेकर आ सकता है। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी नए व्यक्ति का आगमन हो सकता है, जो आगे चलकर खास स्थान बना सकता है। कामकाज में सफलता पाने के लिए आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना होगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो

वृश्चिक। आज का दिन आपको हर निर्णय सोच-समझकर लेने की सलाह दे रहा है। जल्दबाजी में किए गए कामों में गड़बड़ी हो सकती है और व्यस्तता के कारण आप कुछ गलत फैसले भी ले सकते हैं। हालांकि अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में आपको ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। आप अपने जीवनसाथी के लिए नए कपड़े या कोई आभूषण भी खरीद सकते हैं, जिससे

धनु। आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। सरकारी कामों को टालने के बजाय उन्हें समय पर पूरा करने की कोशिश करें। परिवार में किसी नए मेहमान के आगमन से घर का वातावरण खुशियों से भर सकता है। अचानक वाहन में खराबी आने से कुछ अतिरिक्त

मकर। आज का दिन आपके लिए व्यापार और कामकाज में वृद्धि का संकेत दे रहा है। परिवार में किसी सदस्य से किया हुआ वादा समय रहते पूरा करना जरूरी होगा, वरना वे आपसे नाराज हो सकते हैं। घर के वरिष्ठ सदस्यों की सेहत में थोड़ी गिरावट आ सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। यदि आपका कोई पारिवारिक व्यवसाय है, तो उसमें आपको कामकाज पर निगरानी बनाए रखने की आवश्यकता होगी। लंबे समय से रुकी हुई कोई डील भी आज

कुंभ। आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। कहीं आने-जाने या घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। हालांकि दिनभर थोड़ी भागदौड़ भी बनी रह सकती है। कोई व्यक्ति आपके कामों में बाधा डालने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सावधान रहें। किसी सरकारी मामले को लेकर आप किसी अच्छे वकील से सलाह भी ले सकते हैं। किसी काम

मीन। आज का दिन कामकाज के मामलों में आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपने कार्यों को लेकर काफी मेहनत करेंगे और उसका अच्छा परिणाम भी देखने को मिल सकता है। माताजी के साथ आपके संबंध पहले से अधिक मधुर हो सकते हैं और आप दोनों एक-दूसरे के और करीब महसूस करेंगे। हालांकि कभी-कभी बिना वजह क्रोध करने की आपकी आदत परिवार के सदस्यों को नाराज कर सकती है, इसलिए अपने स्वभाव पर थोड़ा नियंत्रण रखना जरूरी होगा। कहीं यात्रा या घूमने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। साथ ही किसी विरोधी की

ओडिशा में रसोई गैस के लिए लग रही लम्बी कतार, मंत्री बोले- घबराने की जरूरत नहीं, LPG की कोई कमी नहीं

भुवनेश्वर । ओडिशा में इन दिनों रसोई गैस को लेकर लोगों के बीच चिंता का माहौल देखने को मिल रहा है। राज्य के कई शहरों और कस्बों में गैस वितरण केंद्रों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, फिर भी अफवाहों और आशंकाओं के कारण लोग पहले से ही गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों के बाहर पहुंच रहे हैं।

भुवनेश्वर सहित कई क्षेत्रों में सुबह से ही गैस वितरण केंद्रों के सामने उपभोक्ताओं की भीड़ देखी जा रही है। कई जगह लोग वितरण केंद्र खुलने से पहले ही लाइन में लग जाते हैं ताकि उन्हें जल्द से जल्द गैस सिलेंडर मिल सके। उपभोक्ताओं का कहना है कि वे भविष्य में संभावित परेशानी से बचने के लिए पहले ही गैस सिलेंडर भरवाना चाहते हैं।

दरअसल हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को लेकर भी चर्चा हो रही है। ईरान से जुड़ी तनावपूर्ण स्थिति और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चल रही खबरों के कारण लोगों में यह आशंका पैदा हो गई है कि कहीं गैस की आपूर्ति प्रभावित न हो जाए। इसी कारण कई लोग एहतियात के तौर पर अतिरिक्त सिलेंडर लेने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि राज्य सरकार ने इस स्थिति को लेकर लोगों को आश्वस्त किया है। ओडिशा के आपूर्ति मंत्री कृष्ण पात्र ने स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य में एलपीजी की कोई कमी नहीं है और लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से गैस की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और उपभोक्ताओं को पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध कराया जा रहा है। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर जमा न करें। उन्होंने कहा कि यदि लोग जरूरत से ज्यादा सिलेंडर लेने की कोशिश करेंगे तो इससे वितरण व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और अन्य उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है। इसलिए सभी लोगों को सामान्य रूप से गैस बुकिंग करानी चाहिए और व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए। इसके साथ ही सरकार ने गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर भी सख्त चेतावनी दी है। मंत्री ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति या एजेंसी गैस सिलेंडरों की जमाखोरी या ब्लैकमार्केटिंग करते हुए पकड़ी जाती है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की टीमें भी इस दिशा में निगरानी बनाए हुए हैं ताकि वितरण व्यवस्था सुचारू बनी रहे। गैस एजेंसियों के संचालकों का भी कहना है कि आपूर्ति सामान्य रूप से हो रही है और फिलहाल किसी प्रकार की कमी नहीं है। उनका कहना है कि लोगों के बीच फैली आशंकाओं के कारण अचानक मांग बढ़ गई है। जिससे एजेंसियों के बाहर भीड़ बढ़ रही है। लेकिन नियमित रूप से गैस सिलेंडर की सप्लाई जारी है और जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। फिलहाल प्रशासन और सरकार की ओर से लगातार लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि वे अफवाहों से बचें और आवश्यकतानुसार ही गैस सिलेंडर लें।

शहर की नई सरकार का शपथ ग्रहण आज, 3 साल बाद विकास का जिम्मा

गुमला। नगर परिषद के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण के साथ ही शनिवार को शहर की नई सरकार का गठन हो जाएगा। स्थानीय एसडीओ कार्यालय परिसर में सुबह 10 बजे से शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। जिसके लिए प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस समारोह के साथ ही पिछले तीन वर्षों से नगर परिषद में चल रहा प्रशासक राज समाप्त हो जाएगा और शहर के विकास की कमान जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों के हाथों में होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित सबसे पहले नवनिर्वाचित अध्यक्षा शकुंतला उरांव को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी। इसके पश्चात संबंधित निर्वाची पदाधिकारी सभी वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाएंगे। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। उपाध्यक्ष की तस्वीर साफ होते ही अध्यक्षा दोपहर 4 बजे तक उन्हें पद की शपथ दिलाएंगी। इस पूरी प्रक्रिया के संपन्न होते ही अगले पांच वर्षों के लिए नगर परिषद का नया कार्यकाल आधिकारिक रूप से शुरू हो जाएगा। नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों के स्वागत के लिए नगर परिषद पूरी तरह तैयार है। पुराने भवन के ठीक पीछे 23 लाख की लागत से नया भवन निर्मित किया गया है। जहां अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षदों के बैठने की व्यवस्था की गई है। तीन कमरों वाले इस नए कार्यालय में बीच का कमरा अध्यक्षा के लिए और पहला कमरा उपाध्यक्ष के चेंबर के रूप में आरक्षित है। इन कमरों में टीवी, सोफा सेट और हाई-स्पीड वाई-फाई जैसी आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। अंतिम कमरा वार्ड पार्षदों के बैठने के लिए बनाया गया है। जिसमें आरामदायक सोफे लगाए गए हैं। बाहर वेटिंग एरिया और बरामदा भी तैयार है। शकुंतला उरांव 2008 के चुनाव में वार्ड पार्षद के रूप में चुनाव लड़ना चाहती थी। किंतु चुनाव नहीं लड़ सकी। लिहाजा 2013 के चुनाव में निर्दलीय और 2018 के चुनाव में भाजपा से बगावत कर मैदान में उतरी। पर किस्मत ने साथ नहीं दिया। इस बार बीजेपी का समर्थन और जनता के बीच उनकी लोकप्रियता का परिणाम है कि शहर की सरकार की वह पहली महिला अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुई है। शकुंतला का मानना है कि सभी के सहयोग से वह निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ विकास की नई गाथा लिखेगी। समस्याएं जो हो, उनका निदान प्राथमिकता होगी।

हजारीबाग सड़क हादसाः ट्रेलर की टक्कर से तीन मौत, पांच घायल

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के चरही थाना क्षेत्र में शनिवार को एक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना चरही स्थित एनएच पर घाटों मोड़ के पास पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रेलर ने पहले सड़क पर चल रहे एक टेंपो को टक्कर मारी। इसके बाद, ट्रेलर ने हजारीबाग की ओर से आ रही 'सागर' नामक बस को भी अपनी चपेट में ले लिया।

फल और पान की गुमटी को भी रौंदा

टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के साथ-साथ सड़क किनारे खड़ी एक 407 वाहन को भी ट्रेलर ने टक्कर मार दी। अनियंत्रित ट्रेलर यहीं नहीं रुका और सड़क किनारे लगी फल और पान की गुमटी को भी रौंद दिया। दुर्घटना में फल दुकान पर मौजूद विक्रेता उदय सिंह (27), पिता सूरज सिंह, ट्रेलर के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं, दो घायलों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने राहत व बचाव कार्य शुरू किया

घटना की सूचना मिलते ही चरही थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल हजारीबाग भेजा गया। उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। दुर्घटना के बाद सड़क पर जाम लग गया था। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाने का काम शुरू किया और धीरे-धीरे यातायात को सामान्य कराया। बस में सवार यात्रियों को भी दूसरी बसों के माध्यम से उनके गंतव्य तक भेजा गया। इस संबंध में चरही थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि घायलों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग भेजा गया है।

ओडिशा के लोगों को गर्मी से मिलेगी राहत, 15 से 19 मार्च तक आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर। पूर्वोत्तर बिहार से दक्षिण ओडिशा तक एक ट्रफ बनने के कारण राज्य के कई जिलों में 15 से 19 मार्च के बीच एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज-चमक के साथ आंधी आने की संभावना है। यह पूर्वानुमान भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने लगाया है। इधर, ओडिशा के कई हिस्सों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे राज्य में तेज गर्मी की शुरुआत के संकेत मिल रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, बढ़ते तापमान के कारण कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है, जिससे खासकर पश्चिमी ओडिशा में लू जैसे हालात बनने की आशंका बढ़ गई है।

बारिश की संभावना

हालांकि, आने वाले दिनों में कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने 15 से 19 मार्च के बीच राज्य के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि संभावित बारिश और आंधी से भीषण गर्मी से अस्थायी राहत मिल सकती है, जो कई जिलों में लोगों की दिनचर्या को प्रभावित करने लगी है। आईएमडी ने लोगों को सलाह दी है कि दिन के समय सावधानी बरतें और अधिक तापमान के कारण शरीर में पानी की कमी से बचने के लिए पर्याप्त पानी पीते रहें।

झारसुगुड़ा का पारा हाई

आईएमडी क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस झारसुगुड़ा में दर्ज किया गया, जो पूरे राज्य में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा एक-दो स्थानों पर कोहरा भी दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि उत्तर आंतरिक ओडिशा के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री अधिक रहा है, जबकि कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य के आसपास है। चार स्थानों पर तापमान 39 डिग्री या उससे अधिक दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे तक राज्य में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा। इसके अलावा झारसुगुड़ा और संबलपुर के एक-दो हिस्सों में हीटवेव की संभावना है। इसलिए लोगों को सलाह दी गई है कि तेज धूप में लंबे समय तक बाहर न रहें।

शहर को आज मिलेगा नया नगर परिषद उपाध्यक्ष, दावेदारों ने झोंकी पूरी ताकत

गुमला। नगर परिषद की सत्ता की बिसात बिछ चुकी है। आज शहर के विकास की बागडोर संभालने वाले नए अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होना है। लेकिन इस समारोह की चमक से कहीं अधिक चर्चा उस सस्पेंस की है, जो शपथ ग्रहण के ठीक बाद खत्म होने वाला है। कुछ ही घंटों के भीतर पार्षदों के मतदान से शहर को नया उपाध्यक्ष मिल जाएगा। चुनावी मैदान में उतरे मुख्य प्रत्याशियों ने इस पद को पाने के लिए अंतिम क्षणों तक अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। चर्चा है कि इस जंग को जीतने के लिए पसीना और पैसा दोनों पानी की तरह बहाया गया है। परिणाम यह है कि मैदान में डटे तीनों प्रमुख प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत को लेकर शत-प्रतिशत आश्वस्त नजर आ रहे हैं। दिलचस्प पहलू यह है कि जीत का दावा करने वाले ये प्रत्याशी अपने पक्ष में पार्षदों की जो संख्या बता रहे हैं। उसका जोड़ कुल पार्षदों की संख्या के गणित को ही फेल कर रहा है। शहर में कुल 22 पार्षद हैं। लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि प्रत्याशी अपने साथ 10 से 12 पार्षदों का समर्थन होने का दम भर रहे हैं। यदि इनके दावों को जोड़ दिया जाए, तो यह संख्या 30 के पार निकल जाती है। पार्षदों के इस समर्थन ने चुनावी गलियारों में भारी हलचल पैदा कर दी है। माना जा रहा है कि कई पार्षद क्रॉस वोटिंग की फिराक में हैं या फिर उन्होंने एक साथ दो प्रत्याशियों को समर्थन का वचन दे दिया है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

5	3			7				
6			1	9	5			
	9	8					6	
8				6				3
4			8		3			1
7				2				6
	6					2	8	
			4	1	9			5
				8			7	9

A sudoku puzzle...

पिछले अंक का उत्तर

5	3	4	6	7	8	9	1	2
6	7	2	1	9	5	3	4	8
1	9	8	3	4	2	5	6	7
8	5	9	7	6	1	4	2	3
4	2	6	8	5	3	7	9	1
7	1	3	9	2	4	8	5	6
9	6	1	5	3	7	2	8	4
2	8	7	4	1	9	6	3	5
3	4	5	2	8	6	1	7	9

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

एएनएम को स्क्रीनिंग तकनीक और प्रबंधन की दी गई जानकारी

चाईबासा। सदर अस्पताल चाईबासा स्थित एएनएम प्रशिक्षण स्कूल में ग्लूकोमा की नवीनतम स्क्रीनिंग तकनीक और प्रबंधन में अद्यतन जानकारी प्रदान करने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षक सह नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ सेलीन सोसन टोपनो ने बताया कि जिनके परिवार में काला मोतिया का इतिहास रहा हो वैसे व्यक्तियों को आंखों की जांच कराना चाहिए। जिनकी उम्र 40 वर्ष से अधिक हो वैसे लोगों को वर्ष में एक बार अपनी आंखों की जांच अवश्य करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों का स्क्रीनिंग के दौरान इंट्रा ऑकुलर प्रेशर की जांच होने से ग्लूकोमा का पता चलता है। व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं कार्यशाला के दौरान इंट्रा ऑकुलर प्रेशर जांच करने की विधि को विस्तार पूर्वक बताया गया। इस कार्यक्रम में सदर अस्पताल चाईबासा के नेत्र पदाधिकारी, नेत्र सहायक, आदि उपस्थित थे।

भारतीय महिलाओं में क्रिकेट का क्रेज बढ़ा : 2020 के मुकाबले भागीदारी दोगुनी, 15-24 उम्र की 16% लड़कियां खेल रहीं

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराते हुए विमेंस वर्ल्डकप जीता था। वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ भारतीय विमेंस कप्तान हरमनप्रीत कौर।

भारत में महिलाओं के बीच क्रिकेट खेलने की संख्या तेजी से बढ़ी है। एक नए सर्वे के मुताबिक 2020 के बाद से 14 राज्यों में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हो गई है।

बीबीसी और कलेक्टिव न्यूजरूम की ओर से कराए गए इस सर्वे में 10 हजार से ज्यादा महिलाओं को शामिल किया गया। इसमें पाया गया कि 2020 में जहां सिर्फ 5% महिलाओं ने क्रिकेट खेलने की बात कही थी, अब यह आंकड़ा बढ़कर 10% हो गया है।

क्रिकेट को करियर चुन रहीं

युवा महिलाओं में बढ़ोतरी और तेज है। 15 से 24 साल की 16% लड़कियां क्रिकेट खेलती हैं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 6% था। इसी उम्र वर्ग की हर चार में से एक लड़की ने खेल को करियर विकल्प के रूप में सोचने की बात भी कही है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने प्रभाव छोड़ा

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की हाल की सफलताओं का भी असर दिख रहा है। टीम ने हाल ही में अपना पहला वनडे वर्ल्ड कप जीता और ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी-20 सीरीज में हराया।

सर्वे में यह भी सामने आया कि महिलाओं के बीच क्रिकेट अब पारंपरिक खेल कबड्डी से काफी आगे निकल गया है। 2020 में दोनों खेलों के बीच अंतर कम था, लेकिन अब क्रिकेट आगे है।

यूपी में 10% महिलाएं क्रिकेट खेल रहीं

ज्यादातर राज्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में तो यह आंकड़ा 1% से बढ़कर 10% तक पहुंच गया है। साथ ही पुरुष और महिला खिलाड़ियों के बीच का अंतर भी कम हुआ है। अब हर एक महिला खिलाड़ी पर तीन पुरुष खिलाड़ी हैं, जबकि 2020 में यह अनुपात एक के मुकाबले पांच था।

करियर के रूप में खेल को देखने वाली 15-24 उम्र की 26% लड़कियां हैं, जो 2020 में 16% थीं। तमिलनाडु में यह आंकड़ा 27%, मध्य प्रदेश और मेघालय में 19-19% दर्ज किया गया।

पंजाब में बैडमिंटन में महिलाएं आगे

सर्वे में यह भी बताया गया कि बैडमिंटन में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, खासकर पंजाब, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में। हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं अब भी एक बड़ी बाधा हैं। जो महिलाएं कोई खेल नहीं खेलतीं, उनमें से 13% ने सुरक्षा को वजह बताया।

भारतीय विमेंस ने पहली बार वर्ल्ड कप जीता

भारत ने 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराते हुए विमेंस वर्ल्डकप में अपना पहला टाइटल जीता था। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वालीं दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

बिजनेस न्यूज

1 अप्रैल से महंगा हो जाएगा फास्टैग एनुअल पासः 3,000 की जगह ?3,075 देने होंगे; 52 लाख से ज्यादा यूजर्स पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली। अगले महीने यानी 1 अप्रैल से नेशनल हाईवे पर सफर करना थोड़ा महंगा हो जाएगा। सड़क परिवहन मंत्रालय ने फास्टैग एनुअल पास की कीमतों में 2.5% की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। अब प्राइवेट गाड़ी मालिकों को सालाना पास के लिए 3,000 रुपए की जगह 3,075 रुपए चुकाने होंगे। यह पास कार यूजर्स को देशभर के 200 टोल प्लाजा पर बिना रुके सफर करने की सुविधा देता है।

सालाना रिवीजन के तहत बढ़ी कीमतें

सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, जब फास्टैग एनुअल पास की शुरुआत की गई थी, तभी इसके नोटिफिकेशन में हर साल कीमतों की समीक्षा और बदलाव का प्रावधान रखा गया था। यह बढ़ोतरी उसी सालाना रिवीजन प्रक्रिया का हिस्सा है। देश भर में हाईवे टोल की दरों में बदलाव के लिए जो फॉर्मूला तय है, उसी के आधार पर इस बार 2.5% की वृद्धि की गई है।

52 लाख से ज्यादा लोग इस्तेमाल कर रहे हैं यह पास

सरकार ने 15 अगस्त से इस खास एनुअल पास की शुरुआत की थी, जिसे उम्मीद से कहीं ज्यादा बेहतर रिस्पॉन्स मिला है। अब तक 52 लाख से ज्यादा हाईवे कार यूजर्स इस स्कीम से जुड़ चुके हैं। इस पास की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे एक साल में कितनी भी बार रिचार्ज कराया जा सकता है और यह लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों के लिए काफी किफायती साबित होता है।

31 मार्च तक पुराने रेट पर खरीदने का मौका

अगर आप अक्सर हाईवे पर सफर करते हैं और इस बढ़ोतरी से बचना चाहते हैं।

चांदी आज करीब 5,000 गिरकर 2.66 लाख/किलो पर आईः सोना 42 बढ़कर 1.60 लाख पर पहुंचा, इस साल कीमत में 27 हजार का इजाफा

नई दिल्ली। सोने में आज 11 मार्च को मामूली तेजी और चांदी में गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 42 रुपए बढ़कर ?1.60 लाख पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, एक किलो चांदी 4,934 रुपए घटकर ?2.66 लाख पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.71 लाख रुपए प्रति किलो थी।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं। खरीदारी की मात्रा : दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। बल्क खरीदारी पर मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

अरिना सबालेंका ने फाइनल में बनाई जगह, लिंडा नोस्कोवा को दी मात; जानें अब किससे होगा सामना

स्पोर्ट्स डेस्क। अरिना सबालेंका ने इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखा और महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली। सबालेंका ने सेमीफाइनल में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की।

अरिना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया।

सबालेंका ने शुरुआत से बनाई पकड़

चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विस की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक प्वाइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विस के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक प्वाइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्विस ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया। दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच एक घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया।

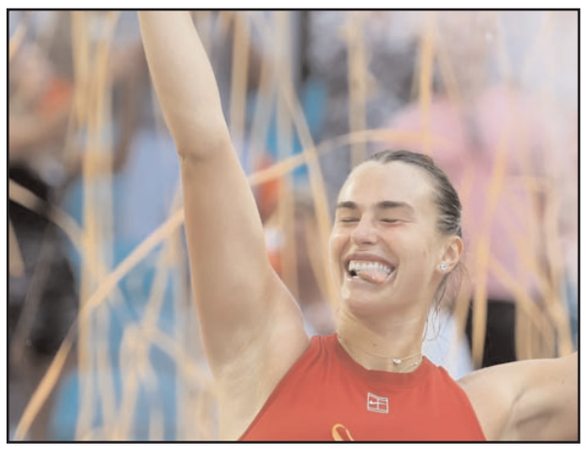

जीत के बाद सबालेंका ने कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है, लेकिन मैं अपने पिछले कुछ फाइनल यहीं हार गई थी। मैं पक्का करूंगी कि रविवार को पूरी तरह तैयार रहूं। मैं अपना श्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी जिससे यह साल मेरे लिए अच्छा रहे।' सबालेंका दो बार इंडियन वेल्स का फाइनल हार चुकी हैं। रविवार को फाइनल में उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा।

इंडियन वेल्स करियर की 20वीं जीत दर्ज की

नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार वर्षों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

पांच भारतीय युवा मुक्केबाजों ने पदक पक्के किए, क्वार्टर फाइनल में दर्ज की जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के युवा मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। कुल पांच मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज करने में सफल रहे जिससे इन्होंने विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में पदक पक्के कर लिए। भारत के पांच मुक्केबाजों ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में शानदार जीत के बाद विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में पोडियम में जगह पक्की कर ली। गुंजन (48 किग्रा), जॉयश्री देवी (54 किग्रा), अंबेकर मीतेई (50 किग्रा), चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा) और राधामणि लोंगजाम (57 किग्रा) की जीत से भारत की पदक की उम्मीदें और मजबूत हुईं। ये सभी सेमीफाइनल में पहुंच गए जिससे देश के लिए टूर्नामेंट में पांच पदक पक्के हो गए।

सुबह के सत्र में गुंजन ने अजरबेजान की गुलर हुसेनोवा पर 5-0 से जीत हासिल की, जबकि जॉयश्री देवी ने पहले दौर में रेफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) से जापान की यूरा कनेमारू को हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अंबेकर मीतेई ने पुरुषों के 50 किग्रा वर्ग में जापान के अकीरा उएकुबो पर 4-1 से जीत दर्ज की। शाम के सत्र में दो और भारतीय मुक्केबाज आगे बढ़े जिसमें चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा) ने दूसरे दौर में स्पेन की एंड्रिया बुएल्गा गार्सिया को आरएससी से हराया जबकि राधामणि लोंगजाम (57 किग्रा) ने इंग्लैंड की सिओभान हेली को

क्यों स्विस ओपन टूर्नामेंट से हटी सात्विक-चिराग की जोड़ी? क्वार्टर फाइनल मैच से पहले लिया फैसला

स्पोर्ट्स डेस्क। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई थी। लेकिन अचानक ही इस जोड़ी को टूर्नामेंट से हटने का फैसला लेना पड़ा। आइए जानते हैं कि किस कारण सात्विक-चिराग स्विस ओपन में अपना सफर आगे नहीं बढ़ा सके...

सात्विक के नाम है सबसे तेज स्मैश लगाने का रिकॉर्ड

बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश से सुर्खियां बटोरने वाले अमलापुरम के 25 वर्षीय रेंकीरेड्डी अपने दाहिने कंधे की समस्या से जूझते रहे हैं। रेंकीरेड्डी ने 2023 में बैडमिंटन में सबसे तेज स्मैश का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जिसकी गति 565 किलोमीटर प्रति घंटा थी। भारतीय टीम के मलयेशिया मूल के कोच टैन किम हर ने बताया कि यह पुरानी चोट है। उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएंगे। इसमें कम से कम एक सप्ताह लगेगा।

एशिया चैंपियनशिप में खेलते आएंगे नजर

समझा जा रहा है कि यह चोट नई नहीं है और शीर्ष स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों में आम है। भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान के हिरोकी ओकामूरा और क्योहेई यामाशिता के खिलाफ 74 मिनट के कड़े मुकाबले में 21-15, 15-21, 28-26 से जीत हासिल की थी। एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग अब सात से 12 अप्रैल तक होने वाली बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। भारतीय जोड़ी ने 2023 में खिताब जीता था।

इटली को हराकर फाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम, अब इंग्लैंड से होगा सामना

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच महिला विश्व कप क्वालिफायर के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में इटली को हराया।

भारत ने मनीषा चौहान के तीसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल की मदद से शुक्रवार को एफआईएच महिला विश्व कप क्वालिफायर के सेमीफाइनल में इटली को 1-0 से हराया। अब खिताब के लिए उसका सामना इंग्लैंड से होगा। मिडफील्डर मनीषा ने तीसरे क्वार्टर के 40वें मिनट में निर्णायक गोल किया। भारत इस साल 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप में पहले ही जगह बना चुका है।

मनीषा के निर्णायक गोल से मिली जीत

भारत ने जोरदार शुरुआत की, लेकिन इटली ने तुरंत जवाब दिया और आक्रामक हमले किए। हालांकि भारत ने दूसरे क्वार्टर में लय हासिल कर ली। दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में इटली ने जोरदार हमला किया, लेकिन भारत की गोलकीपर बीचू देवी खारिबाम ने इसका बचाव किया। भारत को 40वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार टीम ने इसे गोल में बदल दिया। मनीषा ने एक जबरदस्त ड्रैग फ्लिक मारी, जो इटली के डिफेंस को भेदते हुए नेट में चली गई।

भारत ने आखिरी क्वार्टर में अपनी बढ़त बढ़ाने के लिए दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन इटली ने मजबूत डिफेंस के साथ उन्हें रोक लिया। इटली ने मैच के आखिरी मिनटों में अपना सब कुछ झोंक दिया और 59वें मिनट में एक अहम पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वह बराबरी का गोल करने से चूक गया। इससे पहले इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में स्कॉटलैंड को 2-0 से हराया। इसमें लोटी बिंगहैम (25वां मिनट) और ड्रसी बॉर्न (29वां मिनट) ने गोल दागकर टीम को फाइनल में पहुंचाया।

भारतीय संस्कृति में धरती को मां का दर्जा, प्रकृति संरक्षण हमारी परंपरा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

रायपुर । छत्तीसगढ़ देश की अर्थव्यवस्था का पावर इंजन है और अब हमारा राज्य ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित दूसरे छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ हरित सम्मेलन की उपयोगिता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि इसके माध्यम से पॉलिसी मेकिंग से जुड़े लोग, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थान, शोधकर्ता और पर्यावरणविद एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु संकट लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर केवल चिंतन ही न करें, बल्कि उन्हें व्यवहार में भी उतारें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार हमेशा से विरासत के साथ विकास की पक्षधर रही है। पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली हमारी हजारों वर्षों पुरानी परंपरा रही है और उसकी रक्षा के लिए सरकार नीतिगत स्तर पर लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में स्टील उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है और इस क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए ग्रीन स्टील जैसे नवाचारों को अपनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण वृद्धि के मामले में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की नीतियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों की जागरूकता और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में सोलर रूफटॉप योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऊर्जादाता बनाया जा रहा है और बायो-एथेनॉल जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं उभर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान चलाकर लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया गया है, इसलिए संसाधनों का उपयोग करते समय पर्यावरण और धरती के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू की है, जिससे समय और संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ कागज के उपयोग में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जनजातीय बहुल राज्य है और लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। श्री साय ने बताया कि वनांचल में वृक्षों को सरना (देवता) के रूप में पूजा जाता है और सरना को राजस्व रिकॉर्ड में भी देवस्थल के रूप में दर्ज किया गया है।

नांदघाट-मुंगेली सड़क के लिए 112.89 करोड़ की निविदा मंजूर

36.40 किमी सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम जल्द होगा शुरू

रायपुर। राज्य शासन ने नांदघाट-मुंगेली सड़क के लिए 112 करोड़ 88 लाख 50 हजार रुपए की निविदा को मंजूरी दे दी है। निविदा स्वीकृति के बाद अब जल्दी ही 36.40 किमी लंबाई के इस सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम प्रारंभ हो जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने लोक निर्माण विभाग के मुंगेली संभाग के कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित समयावधि में काम पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए मापदंडों के अनुरूप सड़क का निर्माण सुनिश्चित करने को कहा है। लोक निर्माण विभाग ने कार्यपालन अभियंता को अनुबंधित कार्य का संपादन और पर्यवेक्षण विभागीय मापदंडों के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्य किसी अन्य को सब-लेट (स्ह्वड्ड-द्यद्गह्ल) नहीं किया जाएगा तथा कार्य संपादन के लिए पावर-ऑफ-अटॉर्नी मान्य नहीं होगी। राज्य शासन द्वारा निविदा की मंजूरी इस शर्त पर दी गई है कि अनुबंध के पूर्व ठेकेदार से एडीशनल परफॉर्मेंस सिक्योरिटी की राशि की बैंक गारंटी जो संपूर्ण कार्यावधि के लिए प्रभावशील हो, प्राप्त कर ली जाए।

कृषि विश्वविद्यालय के तीन मेधावी छात्रों को बैंक ऑफ बड़ौदा अचीवर्स अवॉर्ड -2026 से सम्मानित

कृषि विश्वविद्यालय के तीन मेधावी छात्रों को

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के तीन मेधावी छात्रों को 12 मार्च 2026 को कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में आयोजित एक समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने-अपने शैक्षणिक वर्षों में कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, साजा (बेमेतरा) की प्रथम वर्ष की छात्रा दिलेश्वरी साहू, शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर के द्वितीय वर्ष के छात्र देविदत्त जेना तथा कृषि महाविद्यालय, रायपुर की तृतीय वर्ष की छात्रा अनुष्का चौरसिया शामिल थीं। कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यार्थि को 31,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने छात्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल छात्रों को और अधिक परिश्रम करने तथा समाज और कृषि क्षेत्र मं सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक शिक्षण डॉ. ए.के. डेव ने भी इस पहल की सराहना करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा से आग्रह किया कि वह प्रतिवर्ष अचीवर्स अवॉर्ड का आयोजन करता रहे, जिससे छात्रों को उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों की ओर प्रेरणा मिलती रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रदीप यादव ने कहा कि बैंक किसानों और छात्रों के कल्याण के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और शिक्षा का उपयोग समाज तथा कृषि समुदाय के उत्थान के लिए करें।

कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में कल से आयोजित दो दिवसीय 'एग्री टेक मिलन' में शामिल होंगे पांच सौ से अधिक पूर्व विद्यार्थी

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित स्वामी विवेकानंद अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा 14 एवं 15 मार्च को आयोजित दो दिवसीय एग्युमिनाई मीट 'एग्री टेक मिलन 2026' में महाविद्यालय के पांच सौ से अधिक पूर्व छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। इस एग्युमिनाई मीट में छत्तीसगढ़ के अलावा देश के अन्य राज्यों से लगभग ढ़ाई सौ भूतपूर्व विद्यार्थियों के आने की संभावना है। इस अवसर पर दो दिवसीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मेला भी आयोजित किया जाएगा जिसमें कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किसानोपयोगी नवीन प्रौद्यौगिकियां प्रदर्शित की जाएंगी। एग्री टेक मिलन 2026 का शुभारंभ कल दिनांक 14 मार्च को प्रात: 11 बजे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल करेंगे। समारोह की अध्यक्षता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा करेंगे। इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठातागण, निदेशकगण, कुलसचिव एवं छत्तीसगढ़ शासन कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजय वर्मा ने बताया की महाविद्यालय में पहली बार एल्युमिनाई मीट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विगत लगभग 30 वर्षों में कृषि अभियांत्रिकी की पढ़ाई कर चुके 500 से अधिक भूतपूर्व विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। इन पूर्व विद्यार्थियों में से अनेक विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोगों के माध्यम से भारत सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों में वरिष्ठ प्रशासनिक पदों पर आसीन हैं।

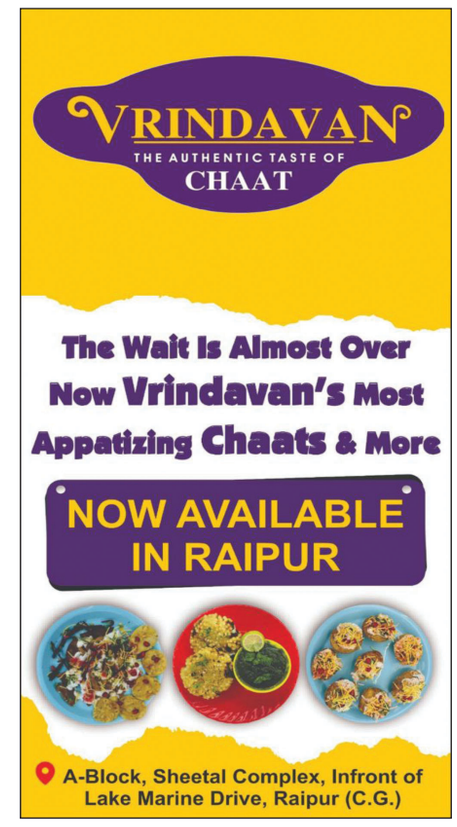

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684